

राष्ट्रीय दैनिक

स्वादेश प्रेम



सोनाक्षी सिन्हा ने जमकर लगाई...

राष्ट्रीय राजधनी दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष-01 अंक-29 नई दिल्ली शुक्रवार , 17 जुलाई 2026 R.N.I NO : DELHIN/2022/86452 पृष्ठ- 8 मूल्य-01 रुपये

प्रधानमंत्री आज हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब को देंगे 26,800 करोड़ की सौगात

जींद से देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को दिखाएंगे हरी झंडी, कई हाईवे, मेडिकल और रेलवे परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण-शिलान्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब के दौर पर रहेंगे। इस दौरान वह करीब 26,800 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। प्रधानमंत्री जींद से देश की पहली हाइड्रोजन संचालित ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसके अलावा सड़क, रेलवे, स्वास्थ्य, शिक्षा और संस्कृति से जुड़ी कई बड़ी परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे और राष्ट्र को समर्पित करेंगे।

प्रधानमंत्री का दौरा सुबह करीब 11 बजे हरियाणा के जींद रेलवे स्टेशन से शुरू होगा। यहां वह जींद और सोनीपत के बीच चलने वाली देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को रवाना करेंगे। इसके बाद वह जींद के एकलव्य स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में करीब 14,700 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

जींद-सोनीपत के बीच चलने वाली हाइड्रोजन ट्रेन स्वदेशी तकनीक से तैयार की गई है। इसे भारत में ही डिजाइन, इंजीनियरिंग और एकीकृत किया गया है। हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक से संचालित यह ट्रेन हाइड्रोजन की बिजली में बदलकर चलती है, जिससे संचालन के दौरान कार्बन उत्सर्जन नहीं होता। इस प्रक्रिया में केवल जलवाष्प निकलता है।

भारत की यह हाइड्रोजन ट्रेन 10



कोच वाली होगी और इसमें 3,200 हॉर्स पावर की प्रणोदन प्रणाली लगाई गई है। इसके साथ ही भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो जाएगा, जहां हाइड्रोजन आधारित ट्रेनें संचालित हो रही हैं।

प्रधानमंत्री हरियाणा में करीब 12,470 करोड़ रुपये की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इनमें सबसे प्रमुख दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे है। करीब 9,680 करोड़ रुपये की लागत से बने 157.92 किलोमीटर लंबे चार लेन एक्सप्रेसवे को राष्ट्र को समर्पित

किया जाएगा।

इस एक्सप्रेसवे के शुरू होने से दिल्ली से कटरा की यात्रा का समय करीब 14 घंटे से घटकर 6 घंटे और दिल्ली से अमृतसर की यात्रा करीब 8 घंटे से घटकर 4 घंटे रह जाएगी। इससे एनएच-44 पर यातायात का दबाव कम होगा और धार्मिक पर्यटन एवं औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

इसके अलावा प्रधानमंत्री अंबाला-काला अंब राजमार्ग, ज़िंद-गोहाना ग्रीनफील्ड हाईवे और हांसी-बरवाला ब्राउनफील्ड हाईवे परियोजना से जुड़ी योजनाओं का भी शुभारंभ करेंगे।

कुरुक्षेत्र में एलिवेटेड रेलवे ट्रैक का लोकार्पण

प्रधानमंत्री कुरुक्षेत्र में एलिवेटेड रेलवे ट्रैक परियोजना का लोकार्पण करेंगे। इससे शहर में रेलवे क्रॉसिंग पर लगे वाले जाम से राहत मिलेगी। परियोजना से सड़क सुरक्षा बेहतर होगी और रेल व सड़क यातायात की गति बढ़ेगी। वह भिवानी के पंडित नेकी राम शर्मा सरकारी मेडिकल कॉलेज, नारनील के महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज और राव तुला राम अस्पताल सहित कई स्वास्थ्य संस्थानों को भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इनसे राज्य में मेडिकल शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार होगा। इसके अलावा कुरुक्षेत्र में सिख संग्रहालय की आधारशिला रखी जाएगी, जिसमें सिख धर्म के इतिहास, गुरुओं की शिक्षाओं और समुदाय के योगदान को आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा।

चंडीगढ़ को मिलेंगी 6,600 करोड़ की परियोजनाएं

दोपहर करीब 1:45 बजे प्रधानमंत्री चंडीगढ़ पहुंचेंगे। यहां वह स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क क्षेत्र से जुड़ी 6,600 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ में एडवॉरंस मंदर एंड चाइल्ड सेंटर और एडवॉरंस न्यूरोसाइंसेज सेंटर का उद्घाटन करेंगे। मंदर एंड चाइल्ड सेंटर में 300 बेड की अत्याधुनिक सुविधा होगी, जिससे गंभीर गर्भावस्था, नवजात और बच्चों के उपचार में मदद मिलेगी। वहीं एडवॉरंस न्यूरोसाइंसेज सेंटर में न्यूरोलॉजी,

न्यूरोसर्जरी और न्यूरो क्रिटिकल केयर जैसी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी।

प्रधानमंत्री पीजीआईएमईआर में 150 बेड वाले क्रिटिकल केयर ब्लॉक की आधारशिला भी रखेंगे। इसके अलावा पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज और अन्य शैक्षणिक संस्थानों से जुड़ी कई आधारभूत परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे।

चंडीगढ़ और आसपास के क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए मोहाली आईटी सिटी-कुराली छह लेन ग्रीनफील्ड हाईवे, जीरकपुर ग्रीनफील्ड बाईपास और अंबाला-चंडीगढ़ ग्रीनफील्ड राजमार्ग की योजनाओं का भी शुभारंभ किया जाएगा।

पंजाब में 5,470 करोड़ की परियोजनाओं का शुभारंभ

प्रधानमंत्री इसके बाद पंजाब के जालंधर जाएंगे, जहां वह 5,470 करोड़ रुपये से अधिक की रेल और सड़क परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। प्रधानमंत्री अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत

जालंधर कैंट सहित देशभर के 75 पुनर्निर्मित रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। करीब 1,570 करोड़ रुपये की लागत से विकसित इन स्टेशनों को आधुनिक यात्री सुविधाओं से लैस किया गया है। इसके अलावा दौलतपुर चौक-करतोली नई रेल

लाइन परियोजना का लोकार्पण किया जाएगा। इससे पंजाब और हिमाचल प्रदेश के बीच रेल संपर्क मजबूत होगा।

प्रधानमंत्री करतोली-अंबाला रेल सेवा और अमृतसर (छेहटी)-वाराणसी रेल सेवा को भी हरी झंडी दिखाएंगे।

पंजाब में सड़क नेटवर्क को मिलेगी मजबूती

प्रधानमंत्री पंजाब में करीब 3,070 करोड़ रुपये की राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इसमें दिल्ली-अमृतसर-कटरा एक्सप्रेसवे का 30.9 किलोमीटर लंबा पैकेज-6 और 25.2 किलोमीटर लंबे दक्षिणी लुधियाना बाईपास की आधारशिला शामिल है। इन परियोजनाओं से यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और औद्योगिक क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि वह रेलवे, स्वास्थ्य सेवा, संस्कृति, कनेक्टिविटी और शिक्षा से जुड़ी योजनाओं के लिए हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब के लोगों के बीच जाने को उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं का लोगों के जीवन और विशेषकर युवाओं पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

10, 314 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रवि शंकर तिवारी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने देश के बहुचर्चित 10,314 करोड़ रुपये के कथित मनी लॉन्ड्रिंग और निवेश घोटाले में बड़ी कार्यवाही करते हुए रवि शंकर तिवारी उर्फ रवि तिवारी को गिरफ्तार किया है। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के तहत 14 जुलाई को की गई गिरफ्तारी के बाद उन्हें 15 जुलाई को नई दिल्ली स्थित पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया, जहां अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश-7 ने उन्हें 10 दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया।

ईडी की जांच लोनी अर्बन मल्टी स्टेट क्रेडिट एंड श्रिफ्ट कोऑपरेटिव सोसाइटी (एल्यूसीसी), लखनौ से समीर अग्रवाल के नेतृत्व वाले सागा ग्रुप नेटवर्क से जुड़े हुए थे। वह एडवांटेज ट्रेडकॉम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ऑप्शन वन इंडस्ट्रीज लिमिटेड, ऑप्शन वन इंडस्ट्रीज लिमिटेड, एल्यूसीसी सहित सागा ग्रुप की कई कंपनियों में वरिष्ठ पदाधिकारी और टीम लीडर के रूप में कार्यरत थे तथा एल्यूसीसी और एलजेसीसी के संचालन में समीर अग्रवाल की सक्रिय सहायता कर रहे थे।



ईडी के मुताबिक, इस कथित घोटाले में देशभर के 30.51 लाख से अधिक निवेशकों के लगभग 10,314 करोड़ रुपये के गबन का मामला सामने आया है। इन संस्थाओं और इनके सहयोगियों के खिलाफ विभिन्न राज्यों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

जांच में पता चला है कि रवि शंकर तिवारी वर्ष 2009 से समीर अग्रवाल के नेतृत्व वाले सागा ग्रुप नेटवर्क से जुड़े हुए थे। वह एडवांटेज ट्रेडकॉम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ऑप्शन वन इंडस्ट्रीज लिमिटेड, एल्यूसीसी सहित सागा ग्रुप की कई कंपनियों में वरिष्ठ पदाधिकारी और टीम लीडर के रूप में कार्यरत थे तथा एल्यूसीसी और एलजेसीसी के संचालन में समीर अग्रवाल की सक्रिय सहायता कर रहे थे।

ईयू और यूक्रेन के बीच ड्रोन समझौता

रूस से मुकाबले के लिए यूरोप तैयार कर रहा अपना मिसाइल कवच

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध और अमेरिका पर सुरक्षा निर्भरता को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच यूरोप ने अपनी रक्षा क्षमता मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। यूरोप के कई देशों ने यूक्रेन के साथ मिलकर एकीकृत एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली विकसित करने का फैसला किया है। इसके साथ ही यूरोपीय संघ और यूक्रेन के बीच बड़े पैमाने पर ड्रोन निर्माण को लेकर भी समझौता हुआ है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम यूरोप की लंबे समय से चली आ रही अमेरिका पर सैन्य निर्भरता को कम करने की कोशिश है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोपीय देशों को अपनी स्वतंत्र रक्षा क्षमता विकसित करने की जरूरत महसूस हुई है। यूक्रेन और नौ यूरोपीय देशों ने मिलकर एक एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल कवच तैयार करने की योजना बनाई है। इसके तहत फ्रेया और ब्लिक्सेम एक्सो जैसे कार्यक्रमों पर काम किया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य रूस जैसी बैलिस्टिक मिसाइलों के खतरे से निपटने के लिए एक आधुनिक और कम



लागत वाली रक्षा प्रणाली तैयार करना है। इस योजना में यूक्रेन के युद्ध अनुभव, मिसाइल तकनीक और यूरोपीय देशों की औद्योगिक क्षमता को जोड़ा जाएगा। लक्ष्य है कि अगले 12 महीनों में ऐसी प्रणाली तैयार की जाए, जिसका बड़े स्तर पर उत्पादन किया जा सके। अब तक यूरोप अपनी मिसाइल सुरक्षा के लिए मुख्य रूप से अमेरिका के पैट्रियट सिस्टम और फ्रांस-इटली के सैंप/टी एयर डिफेंस सिस्टम पर निर्भर रहा है। हालांकि इन प्रणालियों की ऊंची लागत और सीमित उपलब्धता ने यूरोप को अपनी खुद की रक्षा प्रणाली विकसित करने के लिए प्रेरित किया है।

नई मिसाइल प्रणाली कैसे करेगी काम?

यूरोप की प्रस्तावित मिसाइल रक्षा प्रणाली कई स्तरों पर काम करेगी। यह विशेष रूप से मध्यम और लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों को उड़ान के बीच वाले चरण में रोकने की क्षमता विकसित करेगी। इसमें हिट-टू-किल तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसमें रक्षा मिसाइल सीधे दुश्मन की मिसाइल से टकराकर उसे नष्ट करती है। यह प्रणाली मौजूदा पैट्रियट जैसे रक्षा सिस्टम का विकल्प नहीं बल्कि उनके साथ मिलकर काम करने वाली अतिरिक्त सुरक्षा प्रणाली बन रही होगी।

रूस के लिए बढ़ेगी चुनौती

यूरोप की इस नई रणनीति से रूस की चिंताएं बढ़ सकती हैं। यूक्रेन युद्ध के बाद रूस ने बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन हमलों का इस्तेमाल बढ़ाया है। यूरोप अब इन खतरों से निपटने के लिए अपनी स्वतंत्र और आधुनिक रक्षा क्षमता तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, यूरोप का यह कदम केवल सैन्य तैयारी नहीं बल्कि वैश्विक सुरक्षा व्यवस्था में बदलाव का संकेत भी है। आने वाले समय में यूरोप अमेरिका पर निर्भर रहने के बजाय अपनी रक्षा जरूरतों को खुद पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ सकता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान बड़ी संख्या में मिसाइल और ड्रोन हमलों ने यूरोप की मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था को कमजोरियां सामने ला दीं। इसके बाद यूरोपीय देशों ने अपनी रक्षा क्षमता को मजबूत करने की दिशा में तेजी

दिखाई है। यूरोपीय संघ और यूक्रेन ने ड्रोन निर्माण को लेकर भी अहम समझौता किया है। इसके तहत यूक्रेन के युद्धक्षेत्र में हासिल अनुभव और ड्रोन तकनीक को बैलिस्टिक क्षमता के साथ जोड़ा जाएगा।

निर्यात वाले डीजल पर उत्पाद शुल्क सात रुपये बढ़ा, पेट्रोल पर 1.5 रुपये की कटौती

नई दिल्ली, 16 जुलाई (आईएनएस)।

केन्द्र सरकार ने डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स को बढ़ा दिया है। वहीं, पेट्रोल पर कटौती की है। इसकी वजह अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आना था। नई दरें वीरवार से लागू हो गईं। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी नोटिफिकेशन में कहा गया कि डीजल पर निर्यात शुल्क बढ़कर 15.5 रुपए प्रति लीटर हो गया है, जो कि पहले 8.5 रुपए प्रति लीटर था। एटीएफ पर निर्यात शुल्क 7.5 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 14.5 रुपए प्रति लीटर हो गया। इसके



अलावा, सरकार ने पेट्रोल पर निर्यात शुल्क को 4 रुपए प्रति लीटर से घटकर 2.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया है। यह बदलाव ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के कारण दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से उछाल आया है और बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 85 डॉलर प्रति बैरेल के आसपास बना हुआ है।

मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर से ही मजबूत होगा देश का भविष्य : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि किसी भी देश का भविष्य उसके मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल देशभर में सड़कें बनाना नहीं, बल्कि हर नागरिक के मन में यह भरोसा पैदा करना है कि अब भारत का कोई भी हिस्सा दूर नहीं है। उन्होंने कहा कि मजबूत सड़क, रेल, हवाई और डिजिटल कनेक्टिविटी ही विकास का मजबूत नींव है।



नई दिल्ली में आयोजित बॉर्डर रोड ऑगनाइजेशन तकनीकी संगोष्ठी को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने बताया कि वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत जिन गांवों को पहले देश का अंतिम गांव कहा जाता था, उन्हें अब देश के प्रथम गांव के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस अभियान में बीआरओ की भूमिका बेहद अहम रही है।

चन्नी को झटका, राहुल गांधी से नहीं मिला मिलने का समय

- के.सी. वेणुगोपाल से मुलाकात कर ही रखी अपनी बात
- अमरेन्द्र सिंह राजा वड़िगा को हटाने की मांग को लेकर दिल्ली में डेरा डाले बैठे हैं चरणजीत चन्नी



चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरेन्द्र सिंह राजा वड़िगा को हटाने की मांग पर अड़े चरणजीत सिंह चन्नी को कांग्रेस हाईकमान से बड़ा झटका लगा है। दिल्ली में कांग्रेस हाईकमान से मुलाकात के

वहीं पंजाब के इन नेताओं ने कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल से मुलाकात कर अपनी बात रखी और पंजाब की मौजूदा राजनीतिक स्थिति से अवगत कराया। बताया जा रहा है कि के.सी. वेणुगोपाल ने इन नाराज नेताओं को स्पष्ट रूप से कहा है कि पंजाब में इस तरह की बगावत स्वीकार नहीं की जाएगी और उन्हें कांग्रेस हाईकमान के फैसले का सम्मान करना चाहिए। हालांकि इस मामले में अभी तक चरणजीत सिंह चन्नी गुट की ओर से मीडिया के सामने कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

रायपुर, एजेंसी। इंटो पेट्रोल से वाहन में खराबी के मामले में देश का पहला बड़ा फैसला सामने आया है। रायपुर जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने कार मालिक के पक्ष में निर्णय सुनाते हुए वाहन निमाता कंपनी और संबंधित पक्षों को या तो नई कार देने या फिर वाहन की पूरी कीमत लौटाने का आदेश दिया है। आयोग ने यह भी माना कि उपभोक्ता के पास इंटो पेट्रोल के अलावा व्यावहारिक रूप से दूसरा विकल्प उपलब्ध नहीं था।



रायपुर निवासी प्रेमराज देवता ने आयोग में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी मारुति ग्रैंड विटारा कार में इंटो पेट्रोल भरवाने के बाद लगातार तकनीकी समस्याएं आने लगीं। शिकायत के अनुसार इंजन की कार्यक्षमता प्रभावित हुई, मिसफायरिंग की समस्या सामने आई, वाहन की परफॉर्मेंस गिर गई और माइलेज भी लगातार कम होता गया। कई बार सर्विस सेंटर में जांच और मरम्मत कराने के बावजूद समस्या दूर नहीं हुई। उपभोक्ता ने 12

मानसिक क्षति के लिए भी मिलेगा मुआवजा

आयोग ने उपभोक्ता को हुई मानसिक परेशानी को भी गंभीरता से लेते हुए एक लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। इसके अलावा मुकदमे के खर्च के रूप में 10 हजार रुपये भी देने होंगे। यदि 45 दिनों के भीतर भुगतान नहीं किया जाता है, तो पूरी राशि पर भुगतान की तारीख तक 7 प्रतिशत वार्षिक ब्याज भी देना होगा।

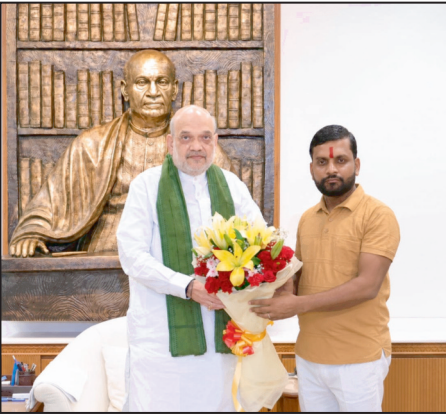
यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि इंटो पेट्रोल से वाहन को नुकसान पहुंचने के दावे पर उपभोक्ता के पक्ष में आया यह देश का पहला प्रमुख न्यायिक आदेश माना जा रहा है।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से राष्ट्रीय युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिंदू देव प्रकाश शुक्ला की शिष्टाचार भेंट

संगठन के जनसेवा कार्यों पर हुई विशेष चर्चा

(संतोष कुमार सिंह)
वाराणसी /नई दिल्ली :- राष्ट्रीय युवा वाहिनी एवं राष्ट्रीय युवा वाहिनी नेशनल वॉलंटियर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा शंखनाद न्यूज लाइव टीवी चैनल के संपादक हिंदू देव प्रकाश शुक्ला ने भारत सरकार के केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर संगठन की सामाजिक एवं जनसेवा गतिविधियों, युवा सशक्तिकरण,राष्ट्रहित के विभिन्न विषयों तथा शंखनाद न्यूज लाइव टीवी चैनल के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई। भेंट के दौरान हिंदू देव प्रकाश शुक्ला ने राष्ट्रीय युवा वाहिनी द्वारा देशभर में संचालित विभिन्न सेवा एवं जनजागरण अभियानों की जानकारी साझा की। उन्होंने

संगठन के माध्यम से युवाओं को राष्ट्र निर्माण,सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण,शिक्षा,गौसेवा, सांस्कृतिक जागरण तथा जनकल्याण के कार्यों से जोड़ने के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। बैठक में शंखनाद न्यूज लाइव टीवी चैनल की भावी कार्ययोजना,समाज एवं राष्ट्रहित से जुड़े सकारात्मक विषयों के प्रसारण तथा जनसरोकारों को प्रमुखता से सामने लाने जैसे विषयों पर भी चर्चा हुई। हिंदू देव प्रकाश शुक्ला ने कहा कि शंखनाद न्यूज लाइव टीवी चैनल निष्पक्ष, तथ्यपरक एवं जनहितकारी पत्रकारिता के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग की आवाज को सशक्त मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।



हिंदू देव प्रकाश शुक्ला ने माननीय अमित शाह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका प्रेरक नेतृत्व देश के युवाओं के लिए मार्गदर्शक है तथा उनके विचार राष्ट्र निर्माण के कार्यों को नई दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संगठन भविष्य में भी सेवा, समर्पण और राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ अपने जनकल्याणकारी कार्यों को और अधिक व्यापक रूप से आगे बढ़ाएगा। राष्ट्रीय युवा वाहिनी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने इस शिष्टाचार भेंट को संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर बताया तथा इसे जनसेवा,संगठन विस्तार और सकारात्मक सामाजिक पहल के लिए प्रेरणादायक बताया।

जिला पंचायत सभागार में "भूजल सप्ताह" के तहत जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

स्वदेश प्रेम,रमजानअली। गोण्डा

जिला पंचायत सभागार में जिलाधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन की अध्यक्षता में "भूजल सप्ताह" के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भूजल संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा जल संसाधनों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सभी विभागों के समन्वित प्रयास सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों को "जल संरक्षण का करें संकल्प, इसका नहीं है कोई विकल्प" विषय पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान भूजल स्तर में लगातार आ रही गिरावट, वर्षा जल संचयन की आवश्यकता, जल के विवेकपूर्ण उपयोग तथा भविष्य की पीढ़ियों के लिए जल संसाधनों को सुरक्षित रखने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने जल संरक्षण का करें संकल्प के संबंध में सभी अधिकारियों को शपथ दिलाई, साथ ही प्रचार वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम 16 जुलाई से 22 जुलाई तक निरंतर चलेगा। जिलाधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन ने कहा



कि जल संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक की नैतिक एवं सामाजिक जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी अधिकारियों से अपने-अपने विभागों के माध्यम से जनसामान्य को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने तथा भूजल सप्ताह के दौरान विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का व्यापक आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों, ग्राम पंचायतों, शहरी क्षेत्रों एवं सार्वजनिक स्थलों पर जनभागीदारी के साथ कार्यक्रम आयोजित कर अधिक से अधिक लोगों तक जल संरक्षण का संदेश पहुंचाया

जाए।
जनभागीदारी से जल संरक्षण अभियान को सफल बनाने के निर्देश
बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि जल संरक्षण एवं वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय स्तर पर विशेष अभियान चलाए जाएं। साथ ही लोगों को जल का दुरुपयोग रोकने, पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण, तालाबों एवं जलाशयों के पुनर्जीवन तथा वर्षा जल संचयन संरचनाओं के निर्माण के प्रति प्रेरित किया जाए। अधिकारियों से कहा गया कि विभिन्न विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए भूजल संरक्षण से संबंधित गतिविधियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, जिससे अधिकाधिक लोगों को सहभागिता प्राप्त हो सके। कार्यक्रम के दौरान मुख्य विकास अधिकारी कार्यालय प्रदाता, लघु सिंचाई विभाग के अधिकारीगण, भूजल विभाग के संबंधित अधिकारी, समस्त खंड विकास अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने जल संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने तथा "भूजल सप्ताह" के दौरान व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प लिया।

सीएम डैशबोर्ड समीक्षा में डीएम डॉ. विपिन कुमार जैन का सख्त संदेश: सी और डी ग्रेड वाले विभाग अगले माह सुधार प्रदर्शन, बजट खर्च में न हो लापरवाही

स्वदेश प्रेम, रमजान अली। बलरामपुर

बलरामपुर में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर विकास कार्यों की प्रगति, विभागीय रैंकिंग एवं बजट व्यय की समीक्षा को लेकर जिलाधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों, योजनाओं की प्रगति, ऑनलाइन डेटा फीडिंग तथा बजट व्यय की स्थिति का विस्तृत परीक्षण किया गया। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर विभागवार उपलब्धियों एवं रैंकिंग का गहन विश्लेषण करते हुए विशेष रूप से सी एवं डी ग्रेड प्राप्त विभागों के अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए निर्देश दिए कि वे अपने विभागीय कार्यों में आवश्यक सुधार लाकर निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विभाग अपनी कार्ययोजना तैयार कर लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करे, ताकि अगले माह की रैंकिंग में जनपद का प्रदर्शन उल्लेखनीय रूप से बेहतर हो सके। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर प्रदर्शित सूचनाओं की गुणवत्ता और समयबद्धता शासन स्तर पर जनपद की छवि तय करती है। इसलिए सभी विभाग अपने कार्यों से संबंधित सही, अधूरा एवं प्रमाणिक डेटा निर्धारित समय पर पोर्टल पर अपलोड करें। उन्होंने चेतावनी दी कि डेटा फीडिंग में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बैठक में बजट व्यय की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने विभागवार प्राप्त धनराशि एवं उसके सापेक्ष किए गए खर्च का विस्तृत परीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को



निर्देशित किया कि प्राप्त बजट का उपयोग निर्धारित उद्देश्यों के अनुरूप समयबद्ध और योजनाबद्ध तरीके से किया जाए। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष के अंतिम महीनों तक बजट खर्च टालने की प्रवृत्ति से बचें और नियमित रूप से विकास कार्यों पर व्यय सुनिश्चित करें, जिससे योजनाओं को गति मिले और शासन द्वारा निर्धारित वित्तीय लक्ष्य समय पर पूरे किए जा सकें। जिलाधिकारी ने सभी विभागाध्यक्षों को विकास कार्यों की सतत निगरानी करने, योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान कराने तथा शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप परिणामोन्मुखी, पारदर्शी और जनहितकारी कार्य संस्कृति अपनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विकास परियोजनाएं निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण होना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्री हिमांशु गुप्ता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, उपायुक्त मनरेगा, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।



स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी
नई दिल्ली। जनसेवा और सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए सेवा कामना केलोफेर एंड एजुकेशनल ट्रस्ट ने कैलाश दीपक मेमोरियल को मिशाना बनाता था। चोरी के बाद वह स्कूटियों को छिपाकर रिकवी, जौमेट, फ्लिपकार्ट सहित विभिन्न ऑनलाइन डिलीवरी प्लेटफॉर्म से जुड़े डिलीवरी बॉय को क्रियाएं पर देकर अंधे रूप से कमाई करता था। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने चोरी की गई स्कूटी में रखा मोबाइल फोन और डैबिट कार्ड निकाल लिया था। उसने मोबाइल का सुरक्षा लॉक तोड़कर बैंकिंग सुविधाओं का दुरुपयोग किया और पीडित के खाते से करीब 95 हजार की धोखाधड़ी कर ली। पुलिस अब घनराशि के पूरे ट्रैकिंगन और तामाथियों का पता लगाने में जुटी है।



बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं और सामाजिक सहायता पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए इस प्रकार के जनहितकारी स्वास्थ्य शिविर समय-समय पर आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि अधिक से अधिक लोगों को निःशुल्क चिकित्सा सुविधाओं का लाभ मिल सके। कार्यक्रम के समापन पर अनु भाटिया ने कैलाश दीपक मेमोरियल अस्पताल के सभी चिकित्सकों, मेडिकल स्टाफ, सम्मानित अतिथियों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने ट्रस्ट की समर्पित टीम की सदस्य रेनु कोहली और साक्षी अग्रवाल के विशेष सहयोग, सेवा भावना और सक्रिय योगदान की भी सराहना करते हुए उनका धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों का सहयोग और विश्वास ही संस्था की सबसे बड़ी ताकत है, जिसके बल पर सेवा का यह अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है। ट्रस्ट ने भविष्य में भी शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक कल्याण से जुड़े ऐसे जनहितकारी कार्यक्रम लगातार आयोजित करने का संकल्प दोहराया।

देवीपाटन मंडल में सुशासन की नई पहचान: आयुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने उत्कृष्ट कार्यों के लिए जिलों की सराहना

स्वदेश प्रेम,रमजान अली

गोंडा। देवीपाटन मंडल की आयुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने जून माह की प्रगति रिपोर्ट के आधार पर मंडल के चारों जनपद गोंडा, बहराइच, बलरामपुर एवं श्रावस्ती के कार्यों की समीक्षा करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से श्रावस्ती और बलरामपुर के जिला प्रशासन द्वारा जनहित, सुशासन और शिक्षा के क्षेत्र में किए गए अभिनव एवं परिणामकारी कार्यों की प्रशंसा करते हुए संबंधित जिलाधिकारियों एवं मुख्य विकास अधिकारियों को प्रशंसा पत्र भेजा। आयुक्त ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप किए जा रहे नवाचार, प्रभावी मॉनिटरिंग और जनसेवा के प्रति समर्पित कार्यशैली के कारण देवीपाटन मंडल लगातार नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है और प्रदेश स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है। श्रावस्ती का किसान चक्रोड मुक्त अभियान बना सुशासन का आदर्श मॉडल। आयुक्त ने श्रावस्ती की जिलाधिकारी अननपूर्णा गर्ग एवं मुख्य विकास अधिकारी शाहिद की सराहना करते हुए कहा

कि चक्रोड ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों के आवागमन की जीवनरेखा हैं। चक्रोडों को अतिरिक्त मुक्त कर जनोपयोगी बनाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। 30 जून तक की प्रगति रिपोर्ट के अनुसार श्रावस्ती ने चक्रमार्गों के सीमांकन, अवैध अतिक्रमण हटाने, मिट्टी पट्टाई, खड्डों का एवं इंटरलॉकिंग निर्माण जैसे कार्यों में देवीपाटन मंडल के चारों जनपदों में प्रथम स्थान प्राप्त किया। आयुक्त ने इसे जिला प्रशासन की उत्कृष्ट कार्ययोजना, सतत मॉनिटरिंग और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम बताया।

बलरामपुर की अभिनव पहल से शिक्षा को उत्कृष्ट कार्ययोजना, सतत मॉनिटरिंग और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम बताया। जून माह की रिपोर्ट के अनुसार गोंडा, बहराइच, श्रावस्ती एवं बलरामपुर में संयुक्त रूप से— 2,456 चक्रोड अतिक्रमण मुक्त कराए गए। 498 चक्रोडों पर मिट्टी पट्टाई, खड्डों एवं इंटरलॉकिंग का कार्य कराया गया।

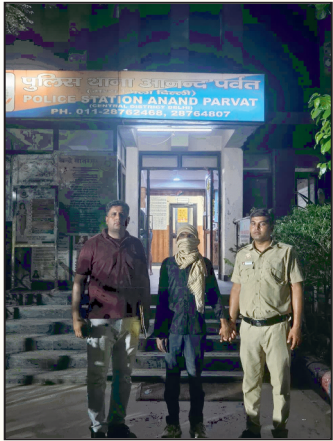
उच्च प्राथमिक विद्यालयों के 16,155 छात्र-छात्राओं को फोलेडबल स्टडी टेबल उपलब्ध कराई गई। इस अभिनव पहल से विद्यार्थियों को बेहतर अध्ययन वातावरण मिला, शिक्षा के प्रति उनकी रुचि बढ़ी तथा विद्यालयों में उपस्थिति एवं उठराव में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया। आयुक्त ने कहा कि इसी पहल का परिणाम है कि बलरामपुर ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के शीर्ष-5 जनपदों में स्थान प्राप्त किया तथा देवीपाटन मंडल में सर्वोच्च प्रदर्शन कर नई पहचान स्थापित की। चारों जनपदों ने किया उल्लेखनीय कार्य जून माह की रिपोर्ट के अनुसार गोंडा, बहराइच, श्रावस्ती एवं बलरामपुर में संयुक्त रूप से— 2,456 चक्रोड अतिक्रमण मुक्त कराए गए। 498 चक्रोडों पर मिट्टी पट्टाई, खड्डों एवं इंटरलॉकिंग का कार्य कराया गया।

धारा-67 के अंतर्गत चक्रोड अतिक्रमण से जुड़े 113 प्रकरण दर्ज किए गए। धारा-67 के 24 वादों का सफल निस्तारण किया गया। आयुक्त ने इन उपलब्धियों को ग्रामीण विकास, किसानों की सुविधा और प्रभावी प्रशासन की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। जनहित में बदलाव ही प्रशासन की असली सफलता आयुक्त दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि प्रशासन की सफलता केवल योजनाओं के संचालन तक सीमित नहीं होती, बल्कि उसका वास्तविक मूल्यांकन आमजन के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव से होता है। श्रावस्ती में किसानों के लिए बेहतर आवागमन की व्यवस्था और बलरामपुर में विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण शैक्षिक वातावरण तैयार करना इसी सोच का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने दोनों जिलों के अधिकारियों से भविष्य में भी इसी प्रतिबद्धता, नवाचार और जनसेवा की भावना के साथ कार्य करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रभावी ढंग से धरातल पर उतारने तथा सुशासन के नए मानक स्थापित करने का आह्वान किया।

थाना गाजीपुर की अनूठी पहल बनी जनहित की मिसाल, रल्टड बालाशंकरम उपाध्याय की व्यवस्था की हो रही सराहना
स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के थाना गाजीपुर (ईस्ट जिला) में एक ऐसी जनहितकारी पहल देखने को मिली, जिसकी आम नागरिकों के साथ-साथ सामाजिक संगठनों और जागरूक लोगों द्वारा भी सराहना की जा रही है। थाना प्रभारी (SHO) श्री बालाशंकरम उपाध्याय ने थाने के विभिन्न स्थानों पर अपनी फोटो, नाम और मोबाइल नंबर प्रदर्शित कराए हैं, ताकि थाने आने वाले किसी भी पीडित व्यक्ति को यदि किसी प्रकार की अनुविधा या समस्या का सामना करना पड़े, तो वह सीधे रल्टड से संपर्क कर अपनी बात रख सके। यह व्यवस्था पुलिस और आम नागरिकों के बीच विश्वास एवं पारदर्शिता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। अक्सर लोग थाने में अपनी शिकायत लेकर आते हैं, लेकिन कई बार सही अधिकारी तक पहुंचने में उन्हें कठिनाई होती है। ऐसे में रल्टड का संपर्क नंबर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होने से पीडित सीधे अपनी समस्या से अवगत करा सकता है, जिससे शिकायतों के त्वरित और प्रभावी निस्तारण की संभावना बढ़ जाती है। इस पहल को देखने वाले लोगों का कहना है कि उन्होंने पहली बार किसी थाने में इस प्रकार की व्यवस्था देखी है। उनका मानना है कि यदि दिल्ली के अन्य पुलिस थानों में भी इसी तरह की व्यवस्था लागू की जाए, तो आम जनता का दिल्ली पुलिस के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत होगा तथा पुलिस और नागरिकों के बीच संवाद और निकटता भी बढ़ेगी। सामाजिक दृष्टि से भी यह पहल अत्यंत सराहनीय मानी जा रही है। यह न केवल जवाबदेही और पारदर्शिता को बढ़ावा देती है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि पुलिस जनता की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। थाना गाजीपुर के रल्टड श्री बालाशंकरम उपाध्याय की यह पहल जनहित में एक प्रेरणादायक उदाहरण है। यदि इस व्यवस्था को दिल्ली पुलिस के सभी थानों में लागू किया जाए, तो यह पुलिस और जनता के बीच विश्वास, संवाद और सहयोग को नई मजबूती प्रदान कर सकती है।

सतर्क गश्त का असर: पीछा कर दबोचा गया शांति वाहन चोर, दो चोरी के वाहन बरामद

स्वदेश प्रेम / शान मोहम्मद सिद्दीकी नई दिल्ली : केंद्रीय जिला पुलिस के थाना आनंद पर्वत की टीम ने सतर्क गश्त के दौरान एक शांति वाहन चोर को पीछा कर गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दो चोरी के वाहन बरामद किए हैं और दो वाहन चोरी के मामलों का खुलासा किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुभाष सिंह उर्फ मेंटल (लगभग 36 वर्ष) निवासी आनंद पर्वत, दिल्ली के रूप में हुई है। आरोपी थाना आनंद पर्वत का घोषित बदमाश (बीसी) है और पूर्व में भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रहा है।



पुलिस के अनुसार 15 जुलाई 2026 को थाना आनंद पर्वत के हेड कांस्टेबल रोहित को सूचना मिली कि रामलीला ग्राउंड, नेहरू नगर क्षेत्र में एक सदिग्ध व्यक्ति मोटरसाइकिल के साथ घूम रहा है। मौके पर पहुंचने पर पाया गया कि कांस्टेबल अशोक और कांस्टेबल ओम प्रकाश, जो नियमित गश्त पर थे, पहले ही एक सदिग्ध व्यक्ति को काले रंग की हेली स्कैंडर मोटरसाइकिल के साथ रोक चुके थे। पुलिस को देखकर आरोपी मोटरसाइकिल छोड़कर भागने लगा, लेकिन सतर्क पुलिस टीम ने पीछा कर उसे दबोच लिया। जांच में मोटरसाइकिल चोरी की पाई गई, जो ई-एफआईआर नंबर 014375 दिनांक 22.06.2026 थाना सराय रोहिल्ला में दर्ज थी। पृष्ठताछ के दौरान आरोपी ने खुलासा किया कि उसने सराय रोहिल्ला क्षेत्र से स्कूटी चोरी की थी और एक अन्य चोरी का वाहन रामलीला ग्राउंड के पीछे मंदिर के पास छिपा रखा है। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने एक सफेद होंडा एक्टिवा स्कूटर बरामद किया, जो ई-एफआईआर नंबर 015950 दिनांक 12.07.2026 थाना मोती नगर में दर्ज चोरी के मामले से संबंधित पाया गया। इस कार्रवाई से दो वाहन चोरी के मामलों का सफलतापूर्वक खुलासा हुआ है। पूरी कार्रवाई थाना आनंद पर्वत के एसएसओ के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल रोहित, कांस्टेबल अशोक और कांस्टेबल ओम प्रकाश की टीम ने एसपी पटेल नगर के पर्यवेक्षण में अंजाम दी।

Online Gyanm

COMPLETE YOUR COURSE ONLINE

ADMISSION OPEN

2026-2027 SESSION

TOP RECOGNIZED UNIVERSITIES & INSTITUTIONS

SWAMI VIVEKANAND SUBHARTI UNIVERSITY MEERUT

MANGLAYATAN UNIVERSITY ALigarh

VIVEKANAD GLOBAL UNIVERSITY JAIPUR

NATIONAL INSTITUTE OF OPEN SCHOOLING

BOARD OF OPEN SCHOOLING & SKILL EDUCATION SIKIM

ONLINE / DISTANCE COURSES (DEB APPROVED)

BA

MA

B. Com

M. Com

B. Sc

M. Sc

BBA

MBA

PGDCA

PGDBM

B. LIB

LIB

OPEN SCHOOLING COURSE

10th | 12th

ONLINE / DISTANCE COURSES के फायदे

घर की सुविधा

घर की सुविधा

घर की सुविधा

घर की सुविधा

घर की सुविधा

घर की सुविधा

घर की सुविधा

घर की सुविधा

घर की सुविधा

FLEXIBILITY IS THE KEY TO YOUR SUCCESS

Recorded Lectures & Study Material

Online Exams & Assignments

Student Support 24/7

Easy Admission Process

Career Counseling

100% Secure & Trusted

CALL US NOW

9811552950

VISIT OUR WEBSITE

www.onlinegyanm.com

EMAIL US

onlinegyanm@gmail.com

माध्यम प्राप्त संस्थानों से जुड़े | गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त | उच्चतम भविष्य बनाएँ

पूर्व मंत्री रामबिलास शर्मा की तबीयत में सुधार पंचकूला में सी.एम सैनी ने की मुलाकात

हरियाणा (एजेंसी)। हरियाणा के पूर्व मंत्री एवं दिग्गज भाजपा नेता प्रो. रामबिलास शर्मा का इन दिनों स्वास्थ्य खराब चल रहा है, उनकी शुरुआत की समस्या है। जिसके कारण उनके दोनों पैरों में फफोले हो गए। जिनका इलाज पंचकूला में चल रहा है। वहीं पर वे अमरावति इन्कलेव स्थित अपने मकान में रेस्ट भी कर रहे हैं। वहीं उनका हालचाल जानने के लिए रोजाना वरिष्ठ नेता भी पहुंच रहे हैं। हरियाणा की राजनीति में प्रोफेसर रामबिलास शर्मा एक जाना-पहचाना नाम हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री रामबिलास शर्मा ने महेंद्रगढ़ विधानसभा क्षेत्र का पांच बार प्रतिनिधित्व किया है। वे



राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाते लगे। वर्ष 1970 में उनका विवाह विमला देवी से हुआ। इसके

पूरा करने के लिए रात्रि चौकीदार के रूप में भी कार्य किया। आंदोलन से राजनीति की शुरुआत उन्होंने वर्ष 1974 में जयप्रकाश नारायण आंदोलन से की। बाद में वे भाजपा से जुड़े और लगातार चार बार महेंद्रगढ़ से विधायक चुने गए। वर्ष 1987 से 1990 तक उन्होंने हरियाणा सरकार में जन स्वास्थ्य मंत्री के रूप में कार्य किया, जबकि वर्ष 1996 से 1999 तक शिक्षा मंत्री रहे। रामबिलास शर्मा वर्ष 1990 से 1993 तक भाजपा हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष रहे। वर्ष 2013 में उन्हें दूसरी बार प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। वर्ष 2014 के विधानसभा चुनावों के दौरान वे मुख्यमंत्री पद के प्रमुख दावेदारों में

संक्षिप्त डायरी

हिसार-बिजली पोल छूने ही धमाका, व्यक्ति की खड़े-खड़े मौत

हिसार (एजेंसी)। सबसे व्यस्त इलाकों में से एक कैप चौक के पास आज सुबह एक व्यक्ति की करंट लगने से मौत हो गई। व्यक्ति बिजली के पोल के पास से गुजर रहा था कि तभी उसे टच करते ही वो चिपक गया। छूते ही धमाका हुआ और उसकी खड़े-खड़े मौत हो गई। करंट का झटका इतना जोरदार था कि व्यक्ति का शव जमीन पर नहीं गिरा। उसका एक हाथ ऊपर पोल की तरफ ही रह गया और वह दीवार के सहारे खड़े ही जम गया। वीडियो में साफ दिख रहा है कि मृतक लाल कलर की बिनियान पहने हुए हैं और उसका शरीर बेजान होकर पोल और दीवार के बीच फंसा हुआ है। मृतक की अभी पहचान नहीं हुई है। शव को सिविल अस्पताल भिजवा दिया गया है। हादसे की मुख्य वजह बिजली निगम की भारी लापरवाही बताई जा रही है। स्टील के इस पोल के ठीक ऊपर से गुजर रही बिजली की लाइन से कई नंगे और खुले तार नीचे की तरफ लटके हुए थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि फ्लेमिंगो टूरिस्ट कॉम्प्लेक्स के पास व्यक्ति का हाथ पोल पर अचानक इन खुले तारों की चपेट में आ गया। संपर्क में आते ही एक जोरदार धमाका हुआ। करंट का प्रवाह इतना तेज था कि व्यक्ति को संभलने या खुद को पीछे खींचने का एक सेकंड का भी मौका नहीं मिला और चंद पलों में ही उसकी मौत हो गई। हिसार पीएलए चौकी इंचार्ज आनंद कुमार का कहना है कि व्यक्ति की अभी पहचान नहीं हो पाई है। इसकी उम्र 44 साल के आसपास लग रही है। अभी शव सिविल अस्पताल रखा गया है। अगर 72 घंटे तक पहचान नहीं हो पाती है तो इसका पोस्टमार्टम करवाया जाएगा।

महिला का ₹2.11 लाख के जेवरों से भरा बैग लूटा

सोनीपत (एजेंसी)। कुंडली थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-44 पर बदमाशों ने बेहद शांति तरीके से एक दंपती को निशाना बनाया। बाइक सवार युवकों ने पहले कार के टायर की ओर इशारा कर ड्राइवर को गाड़ी रोकने के लिए मजबूर किया और फिर महिला का बैग छीनकर फरार हो गए। हालांकि कुछ दूरी पर बैग और मोबाइल फोन मिल गया, लेकिन उसमें रखे करीब 2.11 लाख रुपए मूल्य के सोने के आभूषण और 10 से 12 हजार रुपए की नकदी गायब मिली। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गुरुग्राम के सेक्टर-38 निवासी और बीजेपी में महामंत्री सोहन लाल कौशिक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 15 जुलाई की रात करीब 9 बजे वह अपनी पत्नी ममता कौशिक के साथ कार (HR-26 EC-2749) में सुखदेव ढाबा से खाना खाने के बाद दिल्ली की ओर लौट रहे थे। जब उनकी कार एनएच-44 पर अंसेल प्लाजा, कुंडली के पास पहुंची तो पीछे से आए एक बाइक सवार ने कार के टायर की ओर इशारा किया। कुछ ही दूरी पर दूसरे बाइक सवार ने भी यही इशारा किया। गाड़ी में खराबी होने की आशंका पर उन्होंने कार सड़क किनारे रोक दी। वहीं सोहन लाल कौशिक ने बताया कि बाइकर्स गैंग हाइवे पर सक्रिय हैं और वाहन चालकों को गुमराह करते हैं कि गाड़ी में पेंचर हो गया है और चलती गाड़ी में एक के बाद एक कई बाइक सवार बा-बार एक बात को दोहराते हैं और जिसके चलते वाहन चालक भ्रमित होकर गाड़ी रोककर चैक करते हैं तो तुरंत लूटपाट कर फरार हो जाते हैं। महिला से छीना बैग, विरोध पर बरमाश फरार सोहन लाल ने बताया कि जब वह



और उनकी पत्नी कार से उतरकर टायर की जांच करने के बाद वापस बैठने लगे, तभी एक युवक उनकी पत्नी के हाथ से बैग छीनकर भाग गया। उन्होंने बदमाश का पीछा भी किया, लेकिन आरोपी पहले से इंतजार कर रहे अपने साथी की मोटरसाइकिल पर बैठकर गलत दिशा (रॉन्ग साइड) में फरार हो गए। वहीं सोहन लाल ने बताया कि उन्होंने एक सदिश बाइक सवार के फोटो भी खींचा है और वह बाइक सवार बार-बार उनकी गाड़ी की रेकी कर रहा था। पीड़ित के अनुसार कुछ दूरी पर उन्हें उनका बैग और मोबाइल फोन मिल गया, लेकिन बैग में रखे दो जोड़ी सोने के कानों के बाले, सोने की नथ, नाक के पिन तथा 10 से 12 हजार रुपए नकद गायब थे। शिकायत में चोरी गए आभूषणों की कुल कीमत करीब 2.11 लाख रुपए बताई गई है। 112 पर सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 के माध्यम से पुलिस को जानकारी दी गई। इसके बाद जांच अधिकारी पीएसआई मनीष, हेड कांस्टेबल सुनील के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पीड़ित का बयान दर्ज किया। प्रारंभिक जांच के बाद शिकायत के आधार पर अपराध बनता पाए जाने पर थाना कुंडली में केस दर्ज करने की कार्रवाई की गई।

पुलिस-व्यापारियों में हर महीने होगी बैठक :बाजारों में सुरक्षा, सीसीटीवी और अतिक्रमण पर चर्चा

सोनीपत (एजेंसी)। सुरक्षित, शांतिपूर्ण और अपराधमुक्त माहौल तैयार करने के लिए पुलिस और व्यापारियों के बीच आपसी विश्वास का एक नया सेतु तैयार हुआ है। पुलिस आयुक्त ममता सिंह (IPS, ADGP) के निदेशानुसार, शहर की कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए पुलिस प्रशासन अब हर महीने व्यापारियों के साथ सीधी बातचीत करेगा। इसी मुहिम के तहत बुधवार, 15 जुलाई को सिटी थाना परिसर में एक महत्वपूर्ण संवाद बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस और व्यापारी प्रतिनिधियों ने मिलकर शहर की सुरक्षा का रोडमैप तैयार किया। सुरक्षा और सहयोग के लिए एक मंच पर आए अधिकारी और व्यापारी सहायक पुलिस आयुक्त (ACP City-2) निधि नैन की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में सिटी थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार सहित कई पुलिसकर्मी मौजूद रहे। वहीं, व्यापारियों की ओर से जिला व्यापार मंडल



सोनीपत के प्रधान संजय सिंगला, वरिष्ठ उपप्रधान रामनारायण गोयल, शहरी कार्यकारी प्रधान पवन तनेजा और कैमिस्ट एसोसिएशन के सुरेश कादियान सहित भारी संख्या में प्रमुख व्यापारी प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य पुलिस और व्यापारियों के बीच आपसी समन्वय को बेहतर करना था। बैठक के दौरान व्यापारी प्रतिनिधियों ने शहर की सुरक्षा और व्यवस्था से जुड़े कई अहम मुद्दे उठाए। व्यापारियों ने प्रमुख रूप से चिंताओं और सुझावों को साझा किया था। बाजारों में लगातार बढ़ रही अतिक्रमण की समस्या का

बनाया जा सकता। व्यापारियों द्वारा उठाए गए हर मुद्दे गंभीरता से कार्रवाई की जाएगी और अब हर महीने यह संवाद बैठक होगी ताकि समस्याओं का समय पर समाधान हो सके। व्यापार मंडल ने दिया पूर्ण सहयोग का आश्वासन सोनीपत पुलिस की इस अनूठी पहल का स्वागत करते हुए जिला व्यापार मंडल के प्रधान संजय सिंगला ने कहा कि पुलिस और समाज के बीच इस तरह के निरंतर संवाद से आपसी विश्वास मजबूत होता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि व्यापार मंडल शहर को सुरक्षित, स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने के हर पुलिस अभियान में प्रशासन का कंधा से कंधा मिलाकर सहयोग करेगा। यह बैठक बेहद सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई, जहां दोनों पक्षों ने एक सुर में माना कि नियमित संवाद और जनभागीदारी से ही सोनीपत को अपराधमुक्त और सुरक्षित बनाया जा सकता है।

हरियाणा के 16 जिलों में उमस-गर्मी का यलो अलर्ट

हरियाणा (एजेंसी)। मानसून की रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ गई है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के अधिकांश हिस्सों में लोगों को अभी भारी बारिश के लिए तीन दिन का और थोड़ा इंतजार करना होगा। तीन दिन बाद मानसून दोबारा एक्टिव हो सकता है। मानसून टर्फ की उत्तरी सीमा जम्मू, देहरादून, शाहजहांपुर, बस्ती, पटना, बांका, उड़ीसा, पश्चिमी बंगाल होते हुए बंगाल की खाड़ी तक बनी हुई है, जो हिमालय की तलहटियों की तरफ बढ़ रही है। जिससे हरियाणा राज्य में मानसून की गतिविधियों में कमी 20 जुलाई तक बने रहने की संभावना है, परंतु 20 जुलाई के बाद मानसून की ट्रफ



नीचे आने की संभावना से फिर से मानसून की थोड़ी सक्रियता बढ़ने की संभावना बन रही है। वहीं राहत की बात है आज उत्तर हरियाणा के पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, कैथल और करनाल जिलों में कहीं-कहीं हल्की वर्षा या गरज-चमक देखने को मिल

जताई गई है। आज सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, जींद, भिवानी, चरखी दादरी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, झज्जर, रोहतक, सोनीपत, पानीपत, गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल और मेवात (जुह) में कल भारी उमस और गर्मी का दौर रहेगा। आगे ऐसा रहेगा मौसम का मिजाज मौसम विभाग के अनुसार, 17 जुलाई को भी स्थिति लगभग ऐसी ही बनी रहेगी, जहां पश्चिमी और दक्षिणी जिलों में उमस का अलर्ट जारी रहेगा। हालांकि, 19 जुलाई से मौसम में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है, जब मानसून एक बार फिर करकट लेगा और प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में झमाझम बारिश की गतिविधियां दर्ज की जा सकती हैं।

हाइड्रोजन ट्रेन के स्वागत में गोहाना रेलवे स्टेशन चमकाया

मंत्री अरविंद शर्मा ने खुद लगाई झाड़ू; बोले- हरित तकनीक से बनेगा नया इतिहास

सोनीपत (एजेंसी)। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के ऐतिहासिक शुभारंभ से पहले सोनीपत जिले के गोहाना रेलवे जंक्शन पर गुरुवार को विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने अपनी धर्मपत्नी डॉ. रीता शर्मा और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ स्वयं झाड़ू लगाकर अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि जिस तरह किसी विशेष अतिथि के आगमन से पहले घर की साफ-सफाई की जाती है, उसी भावना के साथ देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन रूपी 'विशिष्ट मेहमान' के स्वागत की तैयारी की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि यह ट्रेन गोहाना की राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि विश्व मानचित्र पर नई पहचान दिलाएगी और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की बड़ी उपलब्धि साबित होगी। गोहाना रेलवे जंक्शन पर आयोजित



स्वच्छता अभियान में मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने स्वयं झाड़ू लगाकर रेलवे परिसर की सफाई की। इस दौरान उनकी पत्नी डॉ. रीता शर्मा, नगर परिषद के अधिकारी, भाजपा पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी श्रमदान में शामिल हुए। मंत्री ने कहा कि स्वच्छ वातावरण में ही ऐतिहासिक क्षणों का स्वागत किया जाना चाहिए। 'मेहमान' के स्वागत जैसी तैयारी डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अतिथि देवो



कार्यकर्ता भी मौजूद रहेंगे। मंत्री ने कहा कि हाइड्रोजन ट्रेन का संचालन गोहाना के लिए ऐतिहासिक अवसर है जो सजाता और साफ करता है। ठीक उसी प्रकार 17 जुलाई को पहली बार गोहाना पहुंचने वाली देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन के स्वागत में रेलवे स्टेशन पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया है। उन्होंने बताया कि गोहाना स्टेशन पर ट्रेन का स्वागत उनकी पत्नी डॉ. रीता शर्मा की अगुवाई में किया जाएगा और बड़ी संख्या में

तकनीक स्वदेशी है और 'मेक इन इंडिया' की सोच का उदाहरण है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। उन्होंने बताया कि ट्रेन के दो फेरे संचालित किए जाएंगे। साथ ही प्रधानमंत्री की रेली में आने वाले वाहनों को भी पर्यावरण का इंतजार रखने का प्रयास किया गया है और अधिकतम इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग पर जोर दिया गया है। विपक्ष पर साधा निशाना डॉ. अरविंद शर्मा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष आधुनिक तकनीक और विकसित भारत की अवधारणा को समझने में विफल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत हरित ऊर्जा, आधुनिक तकनीक, मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसे अभियानों के माध्यम से नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

पत्नी से छेड़छाड़ के शक में युवक की हत्या

यमुनानगर(एजेंसी)। जिले के छछरौली थाना क्षेत्र के गांव नयनपुर में पत्नी से छेड़छाड़ के शक में एक युवक की पीट-पीटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक दंपती और उनके दो साथियों ने युवक के साथ पहले मारपीट की, फिर उसे जबरन अपने कमरे में ले जाकर बेरहमी से पीटा। गंभीर रूप से घायल युवक को बाद में आरोपियों के चंगुल से छुड़ाकर बाहर लाया गया, लेकिन उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान 30 वर्षीय आकिल निवासी गांव पाजराना, जिला सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। वह तीन बच्चों का पिता था और पिछले करीब डेढ़ महीने से नयनपुर स्थित केसीसी प्लांट में जेसीबी ऑपरेटर के रूप में कार्यरत था। सूचना मिलने पर छछरौली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गुरुग्राम में जेटो डिलीवरी पार्टनर को डंपर ने कुचला



हरियाणा (एजेंसी)। गुरुग्राम में गुरुवार सुबह NH-48 पर गुरुवार सुबह तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार जेटो के डिलीवरी पार्टनर को कुचल दिया। युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी डंपर ड्राइवर वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। खबर मिलते ही बड़ी संख्या में डिलीवरी बांय मौके पर इकट्ठा हो गए। एम्बुलेंस के देरी से पहुंचने और पुलिस के कोई एक्शन न लेने को लेकर गुस्सा डिलीवरी बांयज ने हाईवे पर हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे के चलते हाईवे पर 4 किलोमीटर तक लंबा जाम लगा दिया। मार्निंग इंट्यू टाइम की वजह से लोग काफी देर जाम में फंसे रहे। वहीं, इसके चलते होम डिलीवरी भी 2 घंटे ठप हो गई। डिलीवरी राइडर्स ने पुलिस को 3 घंटे तक शव तक उठाने नहीं दिया। बाद में, पुलिस ने डिलीवरी राइडर्स को समझाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया और जाम खुलवाया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, युवक ग्रांसरी प्रोवाइडर जेटो कंपनी में काम करता था। गुरुवार सुबह करीब 8 बजे डिलीवरी करने के लिए जा रहा था। उसने जेटो का बैग लिया हुआ था। इसी दौरान खेड़की दौला टोल प्लाजा के बाद उसे एक डंपर ने टक्कर मार दी। जिससे वह गिर गया और डंपर के टायर के नीचे आ गया। मृतक अयोध्या का रहने वाला मौके पर मौजूद एक डिलीवरी बांय ने बताया कि मृतक का नाम अनिल है और उसकी उम्र 26 साल है। अनिल उत्तर प्रदेश के अयोध्या का रहने वाला है और यहां गुरुग्राम में किराए पर अकेला रह रहा था। वह दो साल से जेटो कंपनी में डिलीवरी बांय का काम कर रहा था। हादसे के बाद डंपर ड्राइवर नीचे उतरा और टायर के नीचे फंसे डिलीवरी बांय को निकालने की बजाय मौके से फरार हो गया। कुछ ही मिनट में डिलीवरी बांय ने तड़प-तड़प का दम तोड़ दिया। मौके से गुजर रहे दूसरे डिलीवरी बांय ने जब हादसा देखा, तो उसने अपने साथियों को बुला लिया और पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी। पुलिस को सूचना मिलने के बाद सबसे पहले फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची। उसके काफी देर बाद एंबुलेंस और पुलिस टीम पहुंची। जिससे डिलीवरी राइडर्स को गुस्सा भड़क गया। उन्होंने शव उठा रहे पुलिसकर्मियों को रोक दिया और हंगामा शुरू कर दिया। एंबुलेंस में आए एक व्यक्ति ने जब शव को डंपर के नीचे से निकालने का प्रयास किया, तो डिलीवरी राइडर्स ने उसे खेड़ड़ दिया और उसके साथ हाथापाई की। जिसके बाद मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने अपने आला अधिकारियों के साथ राइडर्स को समझाया और तीन घंटे बाद शव को उठा पाए। डिलीवरी राइडर्स के हंगामे के कारण एनएच-48 पर मानेसर की तरफ जाने वाली लाइन में वाहनों की लाइन लग गई। सुबह ऑफिस टाइम होने के कारण लंबा जाम लग गया था। हालांकि, पुलिस की टीम ने थोड़ी देर बाद जाम खुलवा दिया।

रिजेंसी गार्डन गोदाम में चोरी का खुलासा, चोरी के सामान सहित वांछित आरोपी गिरफ्तार

स्वदेश प्रेम / गिरिश कुमार मथुरा। थाना कोतवाली पुलिस ने रिजेंसी गार्डन गोदाम में हुए इलेक्ट्रिक उपकरण चोरी के मामले का सफल खुलासा करते हुए वांछित आरोपी को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी में प्रयुक्त उपकरण एवं नकदी भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना पर 15 जुलाई 2026 को लगभग रात्रि 1:43 बजे लाडली जी होम स्टे के सामने से सोनू पुत्र किशोर कुमार, निवासी रिजेंसी गार्डन, थाना कोतवाली, जनपद मथुरा (उम्र करीब 35 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध थाना कोतवाली में दर्ज मुकदमा संख्या



510/2026 में पहले से कार्रवाई चल रही थी। चोरी गए सामान की बरामदगी के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में बढ़ोतरी करते हुए अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से तीन बंडल काली डीवी, एक बंडल काली केबल, दो बैट्री लीड, एक ड्रव टैप, तीन वाबिया, एक पाना, एक टेस्टर, एक प्लास, एक वायर कटर तथा चोरी के 2,250 रुपये बरामद किए हैं। इस कार्रवाई को थाना कोतवाली पुलिस टीम ने अंजाम दिया, जिसमें उपनिरीक्षक पवन कुमार, कास्टेबल विवेक कुमार तथा कास्टेबल नवीन कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि आरोपी के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा मामले की विस्तृत जांच जारी है।

मुजफ्फरपुर पूर्वी के नवनियुक्त एसडीओ

आनंद उत्सव ने संभाला पदभार, शांति

मुकूल शर्मा ने की शिष्टाचार मुलाकात

(संतोष कुमार सिंह) वाराणसी / मुजफ्फरपुर :- मुजफ्फरपुर पूर्वी के नवनियुक्त अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) आनंद उत्सव ने विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण कर लिया। पदभार संभालने के बाद पीडब्ल्यूडी (पीडब्ल्यूडी) के श्री शांति मुकूल शर्मा ने उनके कार्यालय में पहुंचकर उनसे शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर श्री शर्मा ने नवनियुक्त एसडीओ का अभिवादन और पुष्पगुच्छ भेंट कर हार्दिक स्वागत किया और उनके सफल कारकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। इस शिष्टाचार भेंट के दौरान दोनों के बीच क्षेत्र की कानून-व्यवस्था, जन-सुरक्षा और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए सकारात्मक चर्चा हुई।



दिव्यांग जनो के कल्याण पर विशेष चर्चा-मुलाकात का मुख्य आकर्षण दिव्यांग जनो की समस्याओं का समाधान रहा। श्री शांति मुकूल शर्मा ने क्षेत्र के दिव्यांग जनो को आ रही चुनौतियों से नवनियुक्त एसडीओ को अवगत कराया और उनके त्वरित निराकरण का आग्रह किया। एसडीओ आनंद उत्सव ने इस विषय पर अत्यंत सकारात्मक रुख अपनाते हुए दिव्यांग जनो के कल्याण के लिए उचित और त्वरित कार्रवाई करने का ठोस आश्वासन दिया।

प्रशासनिक नेतृत्व पर जताया विश्वास-श्री शांति मुकूल शर्मा ने नवनियुक्त एसडीओ के ऊर्जावान नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा "हमें पूर्ण विश्वास है कि श्री आनंद उत्सव के कुशल मार्गदर्शन में मुजफ्फरपुर पूर्वी क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और सुशासन का वातावरण और अधिक मजबूत होगा जिससे आम नागरिकों का प्रशासन के प्रति विश्वास और गहरा होगा।" मुलाकात के अंत में श्री शर्मा ने आशा व्यक्त की कि नवनियुक्त एसडीओ का कार्यकाल जन-हितेयी और मील का पत्थर साबित होगा।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को किया गया

जागरूक, आत्मरक्षा व हेल्थलाइन सेवाओं की दी जानकारी

स्वदेश प्रेम / गिरिश कुमार मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मिशन शक्ति फेज-5.0 के द्वितीय चरण के अंतर्गत महिला सुरक्षा, सशक्तिकरण एवं जागरूकता अभियान के तहत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मथुरा के निर्देशन में थाना महावन की मिशन शक्ति पुलिस टीम द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मरक्षा के उपाय,



गुड टच-बैड टच, महिला अधिकारों तथा महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों से बचाव के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने बताया कि बस, रास्ते अथवा अन्य सार्वजनिक स्थानों पर छेड़छाड़ या किसी भी प्रकार की अभद्रता होने पर घबराने के बजाय तुरंत 1090 वीमेन पावर लाइन अथवा नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराएं और आवश्यक होने पर तत्काल एफआईआर दर्ज कराएं। इसके साथ ही महिलाओं और बालिकाओं को ब्लैटसप, फेसबुक, एक्स (ट्विटर), इंस्टाग्राम सहित अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का सुरक्षित एवं सावधानीपूर्वक उपयोग करने के लिए भी जागरूक किया गया। साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए ऑनलाइन धोखाधड़ी से सतर्क रहने की अपील की गई। पुलिस टीम ने यातायात नियमों का पालन करने का संदेश देते हुए महिलाओं एवं बालिकाओं से स्वयं नियमों का पालन करने तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी जागरूक करने का आह्वान किया। अभियान के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न आपातकालीन एवं सहायता हेल्पलाइन नंबरों 1076 (मुख्यमंत्री हेल्पलाइन), 1090 (वीमेन पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (पुलिस आपातकालीन सेवा), 102 (गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एम्बुलेंस), 108 (एम्बुलेंस सेवा), 1098 (वाइल्ड हेल्पलाइन), 101 (अग्निशमन सेवा) तथा 1930 (साइबर हेल्पलाइन) की भी विस्तृत जानकारी देकर आवश्यकता पड़ने पर उनका उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

वीबी-जी-राम-जी विकसित ग्राम से विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण पहल केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान

(संतोष कुमार सिंह)

वाराणसी :- वाराणसी में आयोजित देश के पहले पंच सम्मेलन में केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने कहा कि "वीबी-जी-राम-जी (VB-G-RAM-G)" विकसित ग्राम से विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल है। उन्होंने कहा कि इस व्यवस्था के सफल क्रियान्वयन में देशभर के ग्राम प्रधानों, मुखिया और सरपंचों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। सम्मेलन का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री

कमलेश पासवान ने संयुक्त रूप से किया। सम्मेलन में उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और उत्तराखंड के लगभग 500 ग्राम प्रधानों एवं मुखियाओं ने भाग लिया। रूद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में 16 जुलाई गुरुवार को आयोजित पंच सम्मेलन में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री पासवान ने कहा कि स्वतंत्रता के दशकों बाद भी देश के अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्रामीण भारत की इस पीड़ा को समझते हुए ऐसी व्यवस्था विकसित करने का संकल्प लिया, जिससे गांवों में बिजली, पानी, सड़क और अन्य आधारभूत सुविधाओं का विकास अधिक



प्रभावी एवं पारदर्शी ढंग से हो सके। उन्होंने कहा कि वीबी-जी-राम-जी ग्रामीण विकास योजनाओं में पारदर्शिता, जवाबदेही और जनभागीदारी को सुदृढ़ करने के साथ गांवों को आत्मनिर्भर एवं विकासोन्मुख बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। ग्राम प्रधानों की

भूमिका पर बल देते हुए केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि यदि प्रधान संकल्प लेकर कार्य करें तो वे अपने गांव की किस्मत बदल सकते हैं। उन्होंने ग्राम प्रधानों से पांच वर्षीय विकास योजना तैयार करने, स्थानीय समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा स्थायी एवं गुणवत्तापूर्ण

परिसंपत्तियों के निर्माण पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इन विकास कार्यों का लाभ उठा सकें। श्री पासवान ने बताया कि एक जुलाई 2026 से पूरे देश में लागू "वीबी-जी-राम-जी" ग्रामीण विकास योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और निगरानी के लिए एक सशक्त प्रणाली के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के संचालन में जिन प्रावधानों में व्यावहारिक कठिनाइयां थीं अथवा जिनमें सुधार की आवश्यकता महसूस की गई थी उन्हें संशोधित कर इस नई व्यवस्था में समाहित किया गया है। इससे

योजनाओं के क्रियान्वयन में अनावश्यक विलंब कम होगा तथा ग्रामीणों को समयबद्ध ढंग से लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि वीबी-जी-राम-जी के माध्यम से ग्राम पंचायतों को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा। विकास कार्यों की ऑनलाइन निगरानी, पारदर्शी स्वीकृति प्रक्रिया, समयबद्ध भुगतान, सामाजिक अकेक्षण को मजबूती तथा स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास योजनाओं के चयन को बढ़ावा मिलेगा। इससे ग्रामीण अधोसंरचना, रोजगार सृजन, जल संरक्षण, सामुदायिक परिसंपत्तियों के निर्माण तथा आजीविका संवर्धन के कार्यों में तेजी आएगी।

रेलवे सुरक्षा बल व टीआरडी का संयुक्त जागरूकता अभियान, रेल लाइन किनारे रहने वाले लोगों को किया जागरूक



(संतोष कुमार सिंह)

वाराणसी :- रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) वाराणसी एवं टीआरडी (TRD) विभाग द्वारा संयुक्त रूप से रेल सुरक्षा एवं जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत सहायक उप निरीक्षक (एसआई) प्रमोद कुमार, हेड कास्टेबल मनोज कुमार, हेड कास्टेबल रमेश कुमार गोतम तथा

आर.बी.यादव की टीम ने डेलवरिया पुल के पास चौकाघाट क्षेत्र में रेल लाइन के किनारे रहने वाले लोगों से संवाद कर उन्हें रेल सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। अभियान के दौरान स्थानीय लोगों एवं बच्चों को रेल पटरियों पर अनावश्यक रूप से घूमने तथा रेल लाइन के आसपास पतंग न उड़ाने की अपील की गई। अधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियों न केवल लोगों के



जीवन के लिए खतरा है बल्कि रेल संचालन एवं रेलवे संपत्ति को भी नुकसान पहुंचा सकती है। इसके साथ ही लोगों को ट्रेनों पर पत्थरबाजी जैसी घटनाओं से दूर रहने तथा अपने बच्चों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की गई। बताया गया कि ट्रेनों अथवा रेलवे के उपकरणों पर पत्थरबाजी करना कानूनन दंडनीय अपराध है। इससे यात्रियों की सुरक्षा खतरे में पड़ती

है रेल सेवाएं प्रभावित होती हैं तथा रेलवे संपत्ति को क्षति पहुंचती है। रेलवे सुरक्षा बल एवं टीआरडी विभाग ने नागरिकों से रेल सुरक्षा नियमों का पालन करने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल रेलवे प्रशासन को देने की अपील की। यह संयुक्त जनजागरूकता अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रहेगा ताकि आमजन में रेल सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत संतुष्टि इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज में हुआ वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

(संतोष कुमार सिंह)

वाराणसी :- पर्यावरण संरक्षण, हरित भविष्य और मातृ सम्मान के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से 16 जुलाई गुरुवार को संतुष्टि इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज, नेवादा, सुंदरपुर वाराणसी में ह्रृएक पेड़ माँ के नामह अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण एवं पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान की छात्राओं, नर्सिंग स्टाफ एवं शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर सभी नर्सों एवं छात्राओं को पौधे भेंट किए गए तथा उनसे अपने घर, ऑफिस अथवा आसपास के परिसर में इन पौधों को लगाकर उनकी निर्यातित देखभाल करने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. संजय गर्ग ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा ही नहीं करते बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ जीवन का आधार भी हैं। "एक पेड़ माँ के नामह अभियान प्रत्येक व्यक्ति को



अपनी माँ के प्रति सम्मान व्यक्त करने के साथ-साथ प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा देता है। डॉ. रितु गर्ग ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी माँ के नाम एक पौधा लगाकर उसका संरक्षण करे तो आने वाले वर्षों में यह अभियान एक जन आंदोलन का रूप ले सकता है। उन्होंने सभी छात्राओं एवं नर्सिंग कर्मियों से पौधों की नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. प्रियांशु गर्ग एवं डॉ. मिशा गर्ग ने भी पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते

हुए कहा कि हरियाली ही स्वस्थ समाज की पहचान है और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह पर्यावरण संरक्षण में भी अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित छात्राओं, नर्सों एवं शिक्षकों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया तथा ह्रृएक पेड़ माँ के नामह अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर डॉ. संजय गर्ग, डॉ. रितु गर्ग, डॉ. प्रियांशु गर्ग, डॉ. मिशा गर्ग सहित संस्थान के शिक्षकगण, नर्सिंग स्टाफ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सम्यक पार्टी ने मिशन 2027 को लेकर कार्यकर्ताओं में भरा जोश, संगठन विस्तार पर दिया जोर

(संतोष कुमार सिंह)

वाराणसी :- सम्यक पार्टी के तत्वावधान में जिला स्तरीय कार्यकर्ता बैठक बैंक कॉलोनी महमूरगंज स्थित कल्याणी वाटिका में आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर तक मजबूत करना, कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करना तथा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति तैयार करना रहा। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष के.के.मौर्य, राष्ट्रीय महासचिव राजेन्द्र गुप्ता (राजन) तथा राष्ट्रीय सचिव मनोहर बौद्ध/चुनाव प्रभारी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन की विचारधारा, नीतियों एवं आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। बौद्ध जी ने कहा कि पार्टी का लक्ष्य समाज में बुनियादी परिवर्तन लाना, लोकतंत्र, समता, समृद्धि और खुशहाली को मजबूत करना है। इसके लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को बूथ स्तर तक संगठन का विस्तार करते हुए जन-जन तक पार्टी की



नीतियों को पहुंचाना होगा। बैठक में संगठन को मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को सक्रिय बनाने, बूथ स्तर तक संगठन का विस्तार करने, पार्टी की विचारधारा एवं नीतियों के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की रूपरेखा तैयार करने पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर प्रांतीय मीडिया प्रभारी राजकुमार पाण्डेय, महानगर अध्यक्ष प्रवीण कुमार सोनी, जिलाध्यक्ष (शैक्षिक प्रकोष्ठ) कमल कुमार बाजपेयी, हरिनाथ

विधानसभा अध्यक्ष विजय सोनकर विधानसभा उपाध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक के आयोजक एवं महानगर अध्यक्ष प्रवीण कुमार सोनी ने सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए संगठन को मजबूत बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि कार्यकर्ताओं के सहयोग से सम्यक पार्टी मिशन-2027 के लक्ष्य को सफलतापूर्वक प्राप्त करेगी।

मुंबई शिवसेना प्रेसिडेंट

जनाब अब्दुल कादिर भाई

को जन्मदिन की बहुत-बहुत मुबारकबाद!

अल्लाह आपको सुख रखे, सेहतमंद रखे और कामयाबी दे।
• **आमीन**

जन्म दिन की हार्दिक शुभकामनाएं

देते हुए

स्वदेश प्रेम

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र (मीडिया समूह) की ओर से

(संतोष कुमार सिंह)

वाराणसी :- बीएलडब्लू स्थित होटल एंजिलेस में इनरव्हील क्लब ऑफ वाराणसी साउथ का 54वां शपथ ग्रहण समारोह बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ द्वीप प्रज्वलन से किया गया गणेश वंदना की सुंदर प्रस्तुति आद्या राय ने की। कार्यक्रम का सफल संचालन रेणु कैला ने किया डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन मधु कमानि डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन मधु कमानि ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस उपलक्ष्य में क्लब द्वारा एक महिला को सिलाई मशीन प्रदान की जिससे वो अपना जीवन यापन कर सकें। दो बच्चों को स्कूल की फीस क्लब के मेंबर द्वारा दी गई तथा साथ में आदित्य नगर बालवाड़ी के बच्चों को 25 स्कूल बैग और स्कूल का जूता दिया गया।



और नेत्रहीन बच्चों को कॉपी दिया गया। सखी पैड द्वारा सेनेटरी नेपकिन आदित्य नगर की सिलाई केंद्र की बालिकाओं को वितरण किया गया इसके साथ ही रोटी बैंक संस्था को दो गैस सिलिंडर दिया गया। जैसा की डीसी मधु कमानि ने स्वास्थ्य के प्रति महिलाओं को जागरूक करने का टारगेट रखा है। क्लब द्वारा सोयाबीन और बॉनविटा पाउडर उर्मिला देवी फाउंडेशन के

बच्चों को दिया गया। मेहमानों का स्वागत टीका लगाकर विनीता शर्मा और मीनोडी चक्रवर्ती ने किया। नई टीम को आगामी वर्ष 2026-2027 का भार सौंपा गया। आगामी वर्ष की प्रेसिडेंट खुशबू जायसवाल ने अपनी टीम का स्वागत किया। सेक्रेटरी डाक्टर वीना अग्रवाल, वाईस प्रेसिडेंट रेणुकेला, ट्रेजरर अर्चिता धार, आईएसओ दीप माला राय एवम क्लब कोरिस्पोंडेंट



पूनम कपूर का स्वागत खुशबू जायसवाल ने गिफ्ट देकर किया गया। शपथ ग्रहण समारोह में प्रेसिडेंट खुशबू जायसवाल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन मधु कमानि ने 2026-27 की अध्यक्ष खुशबू जायसवाल को पहनाकर कालर और दी बधाई जिसके बाद अध्यक्ष खुशबू जायसवाल, सचिव डाक्टर वीना अग्रवाल, ट्रेजरर अर्चिता

अग्रवाल धार, आईएसओ दीप माला, एडिटर पूनम कपूर का डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन मधु कमानि ने सभी पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण कराया। मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन मधु कमानि ने अपने भाषण में महिला सशक्तिकरण एवम महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया उन्होंने आगे कहा की खुशबू

जायसवाल लगातार तीसरी बार अध्यक्ष बनी है हमें पूर्ण विश्वास है पिछले दो वर्षों की तुलना इस वर्ष और अच्छा कार्य क्लब के सदस्यों के साथ मिलकर करेंगी। कार्यक्रम का समापन डॉ. वीणा अग्रवाल ने धन्यवाद देकर किया। क्लब मेंबरस इंदु गुलाटी, माला श्रीवास्तव, डाक्टर विनीता श्रीवास्तव, विनीता शर्मा, पुष्पलता अग्रवाल, रानी खन्ना, चंद्रिका चक्रवर्ती, वीना गुप्ता, किरण अग्रवाल, स्वाति ने सभी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। डिस्ट्रिक्ट ट्रेजरर अनुराधा भाटिआ, पीएटी अर्चना वाजपेयी, पीडीसी कुसुम मित्तल, पीडीसी ममता द्विवेदी सहित अन्य क्लब के अध्यक्ष, सचिव, कोर्डिनेटर्स उपस्थित रहे।



अपने रिलेशनशिप स्टेटस पर वेदांग रैना का बड़ा खुलासा

अभिनेता वेदांग रैना इन दिनों अपनी आखिरी रिलीज फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' की सफलता का आनंद ले रहे हैं। फिल्म में वेदांग के अभिनय को भी काफी पसंद किया गया है। इसके साथ ही उनके रिलेशनशिप को लेकर भी चर्चाएं चल रही हैं। हर कोई ये जानना चाहता है कि वेदांग सिंगल हैं या रिलेशनशिप में हैं। अब खुद वेदांग ने बताया है कि वो सिंगल हैं या नहीं?

सिंगल हैं वेदांग रैना

हाल ही में एचटी सिटी के साथ बातचीत में वेदांग रैना ने कंफर्म किया कि वो इन दिनों सिंगल हैं। उन्होंने कहा, 'अभी मैं सिंगल हूँ।' हालांकि, इससे पहले उनका नाम एक्ट्रेस खुशी कपूर के साथ जोड़ा जा रहा था। लेकिन अब एक्टर के खुद को सिंगल बताने के बाद दोनों के ब्रेकअप को लेकर पुष्टि होती है। इस दौरान वेदांग ने ये भी बताया कि उन्हें किसी व्यक्ति में सबसे पसंद दयालुता आती है। एक्टर का कहना है कि और भी खुशियां हैं, लेकिन अगर आप दयालु नहीं हैं, तो बाकी सब बेकार है।

अच्छी फिल्मों को दर्शक मिल ही जाते हैं

वेदांग अभी भी अपनी हालिया रिलीज फिल्म के शानदार सफर को समझने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सब बहुत जबरदस्त रहा है। शुरुआती कुछ दिनों में तो बहुत कुछ हो रहा था। फिल्म के बारे में बहुत सी बातें कही जा रही थीं और अब इसे क्रिटिक्स और दर्शकों, दोनों से ही बहुत प्यार मिल रहा है। जिन स्क्रीनिंग में हम गए, मैंने ऐसे रिएक्शन कभी नहीं देखे। मुझे लगा कि इसका कुछ तो असर जरूर होगा। फिल्म के शुरुआती बॉक्स-ऑफिस पर खराब प्रदर्शन से वे निराश हो गए थे। उन्होंने कहा कि यह बहुत निराशाजनक था। फिर हालात बदले। मुझे लगाता है कि इसी वजह से यह पूरी बात और भी खास हो जाती है। ऐसा कोई दूसरा उदाहरण नहीं है जहां ऐसा हुआ हो। मेरा यह भरोसा फिर से कायम हो गया कि अच्छी फिल्मों को दर्शक मिल ही जाते हैं।

कृष्णावतारम सिर्फ फिल्म नहीं मेरे जीवन का टर्निंग पॉइंट है...

निर्देशक हार्दिक गज्जर की 'कृष्णावतारम पार्ट 1: द हार्ट' बॉक्स ऑफिस पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है। फिल्म भारत में 50 दिनों तक सिनेमाघरों में बनी रही और करीब 40 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म के भव्य विजुअल्स, भव्यता कहानी और भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े प्रसंगों के साथ सत्यभामा का किरदार भी दर्शकों को पसंद आया। यह भूमिका निभाने वाली संस्कृति जयन्ता की पहली फिल्म है। खास बातचीत में उन्होंने अपनी डेब्यू फिल्म और सफर पर खुलकर बात की।

पहली फिल्म ने बदली जिंदगी

संस्कृति ने कहा... 'कृष्णावतारम पार्ट 1: द हार्ट' की रिलीज के बाद मुझे जितना प्यार मिला है, वह मेरी कल्पना से कहीं अधिक है। कई लोगों ने सिर्फ मेरे अभिनय की ही नहीं, बल्कि सत्यभामा, श्रीकृष्ण, राधा और

रुक्मिणी जैसे दिव्य पात्रों के प्रति अपनी आस्था और भावनात्मक जुड़ाव भी साझा किया। मेरे लिए बड़ी बात यह है कि मैं मैं इन पात्रों तक दर्शकों की भावनाएं पहुंचाने का सिर्फ एक माध्यम बन सकी। यही मेरे लिए सबसे बड़ी संतुष्टि है। पहली ही फिल्म की सफलता ने मेरी पूरी जिंदगी बदल दी है। एक नए कलाकार के रूप में जिस तरह का प्यार, सम्मान और स्वीकार्यता मिली, उसने मुझे भावुक कर दिया। जब लोग मेरे निभाए किरदार को दिल से अपनाते हैं, तो लगता है कि मेरी मेहनत सफल हुई है। मेरे लिए यह मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा उपहार है।'

असली सेट्स ने बढ़ाया फिल्म का भव्यपन

उन्होंने कहा... 'लोग फिल्म के वीएफएक्स की काफी तारीफ कर रहे हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि इसका बड़ा हिस्सा वास्तविक सेट्स पर शूट किया गया है। हमारे लिए वृंदावन का पूरा गांव बनाया गया था और द्वारका का भी बेहद विशाल सेट तैयार किया गया था। बाद में वीएफएक्स की मदद से इन सेट्स का विस्तार किया गया।

आध्यात्मिक तैयारी की.....

उन्होंने आगे कहा... 'सत्यभामा का किरदार निभाने के लिए मैंने सिर्फ अभिनय की तैयारी नहीं की, बल्कि खुद को आध्यात्मिक रूप से भी तैयार किया। मैंने सत्यभामा से जुड़ी कई किताबें पढ़ीं और जिस पुस्तक पर यह फिल्म आधारित है, उसका भी गहराई से अध्ययन किया। इसके अलावा भगवद्गीता और भगवान श्रीकृष्ण से जुड़े कई ग्रंथ पढ़े।'

आकांक्षा चमोला को लेकर रुबिना दिलैक का नया खुलासा



रुबिना दिलैक और आकांक्षा चमोला एक ही बिल्डिंग में रहते हैं। इनका कई बार मिलना भी हुआ। एक बातचीत में रुबिना को आकांक्षा ने कहा था कि उसे बच्चे नहीं चाहिए क्योंकि उसके लिए उसका

उन्होंने भी रिएक्शन दिया है। टॉक शो में रुबिना ने जब आकांक्षा चमोला का बच्चों को लेकर नजरिया बताया तो हिना खान ने कहा, 'हां, कई लोग बच्चों से ज्यादा प्यार डॉग्स से करते हैं। यह तो बहुत बड़ी डिबेट है।' इस पर हिना के पति रॉकी कहते हैं कि यह कोई बड़ी डिबेट नहीं है, इंसानी बच्चे की तुलना आप जानवर के बच्चे से नहीं कर सकते हो।' यही बात रुबिना के पति अभिनव भी कहते हैं।

क्या है रुबिना और हिना के शो का कॉन्सेप्ट?

हाल ही में टीवी सेलेब्स से जुड़ी कुछ कंट्रोवर्सीज पर रुबिना दिलैक और हिना खान ने एक नया टॉक शो शुरू किया। इसमें रुबिना और हिना खान के पति भी शामिल होते हैं। इस शो में सबसे पहले इन चारों ने आकांक्षा चमोला को लेकर बातचीत की, क्योंकि इन दिनों वह कंट्रोवर्सी से घिरी हैं।

सोनाक्षी सिन्हा ने जमकर लगाई पैपराजी को फटकार

रविवार को सोनाक्षी मुंबई में नवविवाहित आकांक्षा रंजन और डायरेक्टर शरण शर्मा की वेंडिंग रिसोप्शन में शामिल होने पहुंची थीं। इस दौरान उनके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, लेकिन एक खास वीडियो ने सबका ध्यान खींच लिया। वीडियो में जब सोनाक्षी रिसोप्शन से निकलकर अपनी कार में बैठने जा रही थीं, तब पैपराजी लगातार उनकी फोटो और वीडियो ले रहे थे। इस पर सोनाक्षी ने कार में बैठने से मना कर दिया और वहीं खड़ी रहीं। यह पहली बार नहीं है जब सोनाक्षी ने पैपराजी को लेकर नाराजगी जताई हो। कुछ दिन पहले ही उन्होंने पैपराजी को फटकार लगाई थी, जब वे उनके माता-पिता शत्रुघ्न सिन्हा और पूनम सिन्हा के बहुत करीब आ गए थे और उन्हें कार में बैठने की जगह नहीं दे रहे थे। उस समय सोनाक्षी अपने पति जहीर इकबाल और माता-पिता के साथ डिनर के बाद बाहर निकली थीं।



हॉलीवुड एक्टर की अधूरी ख्वाहिश पर बोले शेखर कपूर

क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म 'द ओडिसी' का दर्शकों के बीच बेसब्री से इंतजार है। भारतीय दर्शकों में भी इस फिल्म के लिए उत्साह है। इसी के चलते क्रिस्टोफर फिल्म के प्रमोशन के सिलसिले में मुंबई आए। बीते दिन फिल्म का मुंबई में प्रीमियर हुआ। इस दौरान क्रिस्टोफर नोलन, प्रोड्यूसर एमा थॉमस और एक्टर मेट डेनन व टॉम हॉलैंड मौजूद रहे। सभी ने मीडिया से बात की। इस दौरान मेट डेनन ने भारतीय फिल्ममेकर शेखर कपूर के साथ काम करने की इच्छा जाहिर की। शेखर ने अब इस पर रिएक्शन दिया है। शेखर कपूर ने क्या कहा? डेनन की बात सुनकर शेखर कपूर ने भी ऑस्कर विजेता इस एक्टर की उतनी ही तारीफ करते हुए जवाब दिया। डेनन ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि दुनिया में कोई ऐसा फिल्ममेकर होगा, जो मेट डेनन जैसे इमोशनल गहराई वाले एक्टर के साथ काम करने के लिए कुछ भी करने को तैयार न हो।' 'गुड विल हंटिंग' फिल्म में रॉबिन विलियम्स के साथ उनका मशहूर सीन- 'इट्स नॉट योर फॉल्ट' भला कौन भूल सकता है?' शेखर कपूर ने पनटीटीवी

से बात करते हुए कहा, 'मैंने इसे शायद 1000 से ज्यादा बार देखा होगा और हर बार मेरी आंखों में आंसू आ गए। घटनाएं अतीत, वर्तमान और भविष्य के बीच घूमती रहती हैं, जबकि समय हमारी कल्पना में बनता है। इसलिए अब समय आ गया है कि मेट और मैं साथ मिलकर काम करें।' मेट डेनन ने क्या कहा? बता दें कि फिल्म 'द ओडिसी' के मुंबई प्रीमियर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब मेट डेनन से पूछा गया कि अगर उन्हें किसी भारतीय फिल्मकार के साथ काम करने का मौका मिले, तो वह किसे चुनेंगे? तो उन्होंने बिना देर किए शेखर कपूर का नाम लिया। मेट डेनन ने कहा, 'करियर की शुरुआत में जिस फिल्मकार के साथ हर कोई काम करना चाहता था, उनमें शेखर कपूर सबसे ऊपर थे। मुझे याद है कि मैं उनकी फिल्म 'द फोर फेदर्स' नहीं कर पाया था। उसे लेकर बहुत निराश था, क्योंकि उस समय मैंने 'बॉर्न' फिल्म साइन कर ली थी। इसलिए शेखर कपूर हमेशा मेरी सूची में रहे हैं।' अमेरिकी फिल्म 'द ओडिसी' में मेट डेनन, इथाका के पौराणिक राजा ओडिसियस की भूमिका में हैं।



स्टार्स की कीमत जनता और प्रोड्यूसर्स बढ़ाते हैं

आज जाने-माने निर्देशक बन चुके अहमद खान के करियर का सफर बड़ा ही दिलचस्प रहा है। चाइल्ड आर्टिस्ट से कोरियोग्राफर बने और फिर इंडस्ट्री के तमाम बड़े स्टार्स को नचाने वाले अहमद खान इन दिनों चर्चा में हैं निर्देशक के रूप में अपनी ताजा-तरीन फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' से। इस फिल्म में एक साथ 30-35 बड़े कलाकारों को हैडल करने वाले अहमद खान अब तक अपने करियर में तकरीबन सभी बड़े सितारों के साथ काम कर चुके हैं, मगर वो शेर है न- बहुत निकले मेरे अरमान, लेकिन फिर भी कम निकले, तो इसी तर्ज पर इस खास बातचीत में वह न केवल अपने करियर के सफर पर बात करते हैं, बल्कि ट्रेजिडी किंग कहलाने वाले दिलीप कुमार, बादशाह खान और बिग बी से जुड़ी यादों को भी साझा करते हैं।

अमिताभ बच्चन और शाहरुख खान संग काम करने की ख्वाहिश

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वह कहते हैं, 'बच्चन साहब के साथ कोरियोग्राफर के रूप में काम कर चुका हूँ। मगर मुझे इंतजार है एक अच्छी स्क्रिप्ट का। वैसे बिग बी इन दिनों चुनिंदा काम ही कर रहे हैं। मैं ये जरूर कहना चाहूंगा कि कई बार हमारी प्लानिंग

किस्मत के आगे फेल हो जाती है। अब जैसे मैं अपने निर्देशन की शुरुआत शाहरुख खान के साथ 'सब्र' नामक फिल्म से करना चाहता था, मगर उसी दौर में शाहरुख खान अपने प्रोडक्शन की मैं हूँ न लेकर आए। उस समय शाहरुख ने कहा था कि पहले वह अपनी फिल्म करेंगे और उसके बाद मेरी। लेकिन उनकी फिल्म में देरी होती रही और मुझे भी अपना काम शुरू करना था, इसलिए मैंने अपनी फिल्म शुरू कर दी।'

श्रेयस तलपड़े के हार्ट अटैक का सदमा

अपनी हालिया फिल्म में सितारों के मेले के साथ काम करने वाले अहमद ने कलाकारों से जुड़ी कई दिलचस्प बातें बताईं। उन्हीं के शब्दों में, 'देखिए, सबसे बड़ी बात यह थी कि सब मेरे दोस्त थे। किसी ने मुझे कोई तकलीफ नहीं दी। सबसे पहले अक्षय कुमार समय से पहले सेट पर आ जाते थे। हम सबको पता था कि कोई न कोई अगर गड़बड़ करेगा तो शूटिंग प्रभावित होगी। इसलिए हर कोई यही सोचता था कि कहीं गलती मुझसे न हो जाए। उसी वजह से काम बहुत अच्छे से हुआ। हमारे सेट पर जॉनी लीवर, परेश रावल और राजपाल यादव जैसे धुरंधर कॉमेडियन भी थे, मगर मैं आपको बताना चाहूंगा कि हमारे सेट पर कोई भी कलाकार इनसिख्योर नहीं था। उल्टा सब एक-दूसरे से

कहते थे, 'तू कर ले... तू कर ले। इसलिए कभी कोई दिक्कत नहीं आई।'

रवीना और अक्षय के सीन्स पर बोले

रवीना टंडन और अक्षय कुमार के साथ वाले चर्चित दृश्यों पर वह मुस्कराते हुए बोले, 'अक्षय और रवीना दोनों ही मेरे दोस्त हैं। मगर आज हमारी शादियां हो चुकी हैं, बच्चे बड़े हो चुके हैं। दोनों ने पूरी तरह किरदार निभाया। हमें पता था कि दर्शक इस सीन को अपने तरीके से देखेंगे और मजा लेंगे। (एक जमाने में

अक्षय कुमार और रवीना टंडन की अफेयर की खबरें थीं) वही हुआ। सेट पर जैकलीन फर्नांडिस और दिशा पतनी के बीच कभी कोई कैट फाइट्स नहीं हुईं। उल्टा वो दोनों शूटिंग के बाद डिनर पर जाया करती थीं। मगर हां, उस समय हम बहुत ज्यादा चिंतित हो गए थे, जब श्रेयस को शूटिंग के पहले शेड्यूल में ही हार्ट अटैक आ गया था। उनका स्टेट ज़ाला गया। हमारे लिए वह बहुत बड़ा झटका था, क्योंकि अगले महीने फिर शूटिंग शुरू करनी थी। ऐसे समय पर बहुत टेंशन हो गई थी।'

नए कलाकार भी स्टार्स बन कर मोटी फीस लेते हैं

बॉक्स ऑफिस प्रेडिक्शन को लेकर लगातार चर्चाएं चलती रहती हैं। इंडस्ट्री इस बात को लेकर चिंतित है कि फिल्में मनवाही कमाई नहीं कर पा रही हैं। अहमद खान की 'वेलकम टू द जंगल' वर्ल्डवाइड पौने दो सौ करोड़ का बिजनेस कर चुकी है। अहमद समझाते हुए कहते हैं, 'देखिए, फिल्म बनाते समय हर किसी को लगता है कि उसकी फिल्म चलेगी। अगर फिल्म नहीं चलती तो उसका कोई तय इलाज या फॉर्मूला नहीं है। हर शुक्रवार नई फिल्म आती है और हर फिल्म से कुछ नया सीखने को मिलता है। यह पूरी तरह दर्शकों पर निर्भर करता है कि उन्हें फिल्म पसंद आई या नहीं। फिल्म बनाने का कोई रॉकेट साइंस नहीं है। कई लोग स्टार्स प्राइज की बात करते हैं, मगर मेरा मानना है कि स्टार्स की कीमत जनता बढ़ाती है। निर्माता भी बढ़ाते हैं। अगर किसी स्टार को नहीं लिया जाएगा तो कई बार फिल्म ही नहीं बन पाएगी। बाद में नए कलाकार भी सफल होकर वही फीस लेने लगते हैं। इसलिए यह सिलसिला चलता रहता है। कभी स्टार की फीस बढ़ती है, कभी वीएफएक्स का खर्च बढ़ जाता है, कभी किसी और चीज का। हर जगह संतुलन बनाना पड़ता है।'

संपादकीय

सतलुज पर प्रतिबंध से उठते सवाल

आजादी के बाद भारत ने जिस उदार लोकतांत्रिक व्यवस्था को अपनाया, उसके कारण विश्व मानचित्र में भारत का विशेष स्थान बना। इस व्यवस्था में आम जनता को अपनी सरकार चुनने के साथ-साथ अभिव्यक्ति की आजादी भी हासिल हुई, जो लोकतंत्र के लिए अनिवार्य है। लेकिन उस आजादी पर बार-बार पहरा लगाना स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी नहीं है।

इसका ताजा उदाहरण ओटीटी प्लेटफॉर्म जी-5 पर प्रदर्शित फिल्म पर प्रतिबंध के तौर पर सामने आया है। गायक-अभिनेता दिलजीत दोसांझ अभिनीत फिल्म सतलुज तीन जुलाई को जी-5 पर रिलीज हुई थी, लेकिन पांच जुलाई को इसे प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया था। यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने खालिस्तान आंदोलन के दौरान बड़ी संख्या में लापता हुए लोगों और लावारिस लाशों का मुद्दा समाज के सामने लाया था और इसमें तत्कालीन पंजाब पुलिस पर बड़े सवाल उठे थे। इस गंभीर मुद्दे को उठाने की कीमत उन्हें अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। लेकिन अब उनके इस जीवन संघर्ष और ईसाफ की लड़ाई को सरकार जनता के सामने नहीं आने देना चाहती है।

गौरतलब है कि पहले यह फिल्म 'पंजाब '95' नाम से बनी, जिसे बाद में 'सतलुज' नाम से प्रदर्शित होने की अनुमति मिली, और इसमें कई सारे दृश्यों पर सेंसर की कैंची चली। हालांकि उसके बावजूद फिल्म को दो दिन में ही हटाने का आदेश भी हो गया, जो सोशल मीडिया के इस जमाने में हास्यास्पद लगता है। जब एक बार कोई चीज लोगों के मोबाइल, लैपटॉप पर आ जाती है तो उसे डाउनलोड करना कठिन नहीं है। फिर जिस चीज को जितना लोगों से दूर करने की कोशिश की जाती है, उतना लोग उसे देखना चाहते हैं, यह सहज मानवीय प्रवृत्ति है। तो अगर सरकारें ऐसा सोचती हैं कि कोई फिल्म दो दिन के प्रदर्शन के बाद प्रतिबंधित करने से वह लोगों से दूर हो जाएगी, तो यह उसकी खुशफहमी है। प्रधानमंत्री मोदी पर बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री भी ऐसे ही प्रतिबंधित की गई, लेकिन फिर भी दुनिया भर में लोगों ने उसे देखा।

अब सवाल यह है कि आखिर एक असल कहानी को पढ़े पर दिखाने से सरकार को एतराज क्यों हुआ। क्यों सरकार एक मानवाधिकार कार्यकर्ता पर हुए पुलिसिया अत्याचार को दिखाने पर रोक लगा रही है। जो कुछ अतीत में हुआ वह आज के प्रतिबंध लगाने से लोगों की स्मृति से मिटने वाला नहीं है। बल्कि उसे कई और तरीकों से सामने लाने की कोशिश होती ही रहेगी।

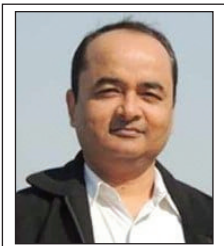
बता दें कि मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा 1980-90 के दशक में पंजाब में चरमपंथ के दौर में लापता लोगों की तलाश करते हुए एक दिन खुद ही लापता हो गए और बाद में सीबीआई की रिपोर्ट में बताया गया कि पुलिस अधिकारियों ने 6 सितंबर 1995 को उन्हें उनके आवास से ही अगवा कर लिया था। दरअसल 1980 और 90 के दशक में पंजाब में आतंकवादी घटनाओं के साथ पुलिस प्रताड़ना, हिरासत में मौतें और फर्जी पुलिस मुठभेड़ के भी कई प्रकरण चर्चा में रहे। जसवंत सिंह खालड़ा ने भी जब अमृतसर, मजीठा और तरनतारन के तीन रमेशन घाटों में जून 1984 से दिसंबर 1994 तक जलाई गई लावारिस लाशों के बारे में पड़ताल की तो उन्होंने इसके पीछे पुलिस की गैरकानूनी कार्रवाईयों का आरोप लगाया। सीबीआई के मुताबिक जसवंत सिंह खालड़ा ने इसके खिलाफ आवाज उठाई। लेकिन स्थानीय पुलिस को यह बात खटकी तो उन्हें उनके घर से ही उठा लिया गया और फिर गैरकानूनी हिरासत में रखने के बाद उनकी हत्या कर दी गई।

उनकी लाश एक नहर में फेंकी गई, जो कभी बरामद नहीं हुई। यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया, जहां शीर्ष अदालत ने कहा कि मानवाधिकार कार्यकर्ता होने के नाते, जसवंत सिंह खालड़ा ने अमृतसर और तरनतारन जिलों में पुलिस के कथित खत काग़ों का पदांशक करने का काम किया था। पुलिस ने आतंकवादियों के नाम पर बेकसूर लोगों को मारकर बिना किसी पहचान के उनका अंतिम संस्कार किया। पुलिस अधिकारियों को खालड़ा की ऐसी गतिविधियां पसंद नहीं आई और उन्होंने यह काम बंद करने को कहा। खालड़ा ने जब बात नहीं मानी तो बड़ी बेदरदी से उन्हें मारा गया। जिस घटना पर सुप्रीम कोर्ट तक टिप्पणी कर चुका है, उसे दिखाने पर रोक लगाना समझ से परे है। हालांकि ऐसा कोई कदम सरकार की तरफ से उठाना जाएगा, इसका अवैश आभिनेता दिलजीत दोसांझ को पहले से था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है कि 'मुझे पहले से ही लग रहा था कि ऐसा होगा। जिसकी (जसवंत सिंह खालड़ा) आवाज को 1995 में भी दबाया गया और आज 2026 है। कमाल की बात है। हद हो गई है। हम 2026 में जी रहे हैं और कहा खड़े हैं। आज भी आप बात नहीं करने दे रहे हो। कोर्ट ने जो फैसले दिए हैं हम उसी पर बात कर रहे हैं। कोई नवी बात नहीं कर रहे हैं। ये बात मेरी समझ से पूरी तरह बाहर है।' उन्होंने कहा कि, 'मुझे इस बात की खुशी है कि ये फिल्म कुछ लोगों तक पहुंच गई है। ये लोगों की फिल्म है। ये रुक नहीं सकती।' इसी तरह कुणाल कामरा ने लिखा कि सीबीएफ़सी का ओटीटी प्लेटफॉर्म या अंतरराष्ट्रीय रिलीज पर कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। पंजाब 95 जसवंत सिंह खालड़ा की कहानी है। उन्होंने मानवाधिकार उल्लंघनों के दस्तावेजी सबूत सामने रखे और इसकी कीमत अपनी जान देकर चुकाई। अगर दस्तावेजी तथ्यों पर आधारित एक फिल्म भी भारतीय दर्शक नहीं देख सकते, तो जनता यह जानने की हकदार है कि इसकी वजह क्या है।

कामरा ने यह भी लिखा कि 'कश्मीर फाइल्स, बंगाल फाइल्स और द केरल स्टोरी के लिए रेड कार्पेट। धुरंधर 1 और धुरंधर 2 के लिए फूल-एक काल्पनिक डॉक्यूमेंट्री या एक्सप्लेनर के लिए। किसी निर्देशक के करियर के चार साल निंगल जाने का एहसास कैसा होता है ?



सम्पादक
शान मोहम्मद



उमेश चतुर्वेदी

नेपाल की जनकपुर उपमहानगर पालिका ने अपने अधीन प्राथमिक विद्यालय में मैथिली भाषा की पढ़ाई का फैसला लिया है। जनकपुर से महज तीस किलोमीटर दूर भारतीय सीमा में पहले से ही मैथिली की पढ़ाई हो रही है। भारत में मैथिली भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषा है। चूंकि जनकपुर के आसपास मैथिलीभाषियों की अच्छी-खासी संख्या है। लिहाजा जनकपुर उपमहानगर पालिका के इस निर्णय का मैथिलभाषी समुदाय में स्वागत होना लाजमी है। लेकिन नेपाल का ही एक वर्ग इस फैसले के विरोध में उतर आया है। दिलचस्प यह है कि उसे मैथिली से कोई बुनियादी विरोध नहीं है, बल्कि वह चाहता है कि मधेस इलाकों में हिंदी की विधिवत पढ़ाईहोनी चाहिए। हिंदी समर्थक इस वर्ग का तर्क है कि इस कदम से नेपाल में बोली जाने वाली भारतीय मूल की भाषाओं के बीच एकता का संदेश जाएगा और यह एकता मधेस समुदाय की राजनीतिक ताकत को बढ़ावा देगी। लेकिन मधेस समाज के लोग अपनी-अपनी भाषाओं की अगर पढ़ाई पर जोर देने लंगेंगे तो इससे मधेस समाज में बिखराव आएगा और उनकी एकता में दरार बढ़ेगी। इसका सीधा फायदा संख्या के लिहाज से मधेस समुदाय की तुलना में छोटा खस आर्य मूल के नेपाली समुदाय का नेपाल की राजनीति में वर्चस्व बना रह सकता है।

नेपाल में भाषा को लेकर उठे इन सवालों पर विचार से पहले मधेस समुदाय के बारे में मोटे तौर पर कुछ बातें समझनाआवश्यक है। नेपाल में पहाड़ी मूल के अलावा तराई में जो लोग रहते हैं, उन्हें मधेस या मधेसी कहा जाता है। मधेस समुदाय की व्यापकता उत्तर प्रदेश की सीमा से लेकर बिहार होते हुए पश्चिम बंगाल की सीमा तक नेपाली हिस्से में है। नेपाल की कुल जनसंख्या तीन करोड़ है। अंकड़ों के मुताबिक, करीब 53 प्रतिशत



निरमल रानी

प्रभु श्री राम मंदिर,अयोध्या में दान व चढ़ावे के पैसों व बहुमूल्य वस्तुओं की कथित लूट जैसे शर्मनाक कृत्य की चोतरफा निंदा की जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने भी चंदा व चढ़ावा चोरी मामले में दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुये केंद्र सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार और श्री राम जन्मभूमि क्षेत्र ट्रस्ट को नोटिस जारी किया है तथा उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से गठित विशेष जांच टीम (एसआईटी) को अब तक हुई जांच की रिपोर्ट दखिल करने का निर्देश दिया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने भी इस घटना को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और घोर निंदनीय बताते हुये कहा है कि दानपात्र से हुई चोरी ने पूरे हिंदू समाज और राम भक्तों की ब्रह्मा और भावनाओं को गहरी चोट पहुंचाई है जिससे संघ परिवार भी पूरी तरह आहत है। संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि इस महापप में शामिल हर एक दोषी को कठोरतम सजा मिलनी चाहिए और चंदे की पवित्रता से कोई समझौता नहीं हो सकता। संघ ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि यह केवल एक प्रशासनिक लापरवाही नहीं बल्कि आस्था का मामला है। परन्तु सुप्रीम कोर्ट व संघ की चिंताओं से इतर एक वर्ग ऐसा भी है जो इस बेहद अफसोसनाक मामले पर भी



यानी लगभग एक करोड़ साठ लाख लोग मधेसी है। नेपाल में बड़ी जनसंख्या होने के बावजूद यहाँ की शासन व्यवस्था में पहाड़ी मूल के लोगों का ही वर्चस्व रहा है, जिनकी जनसंख्या करीब एक करोड़ चालीस लाख है।

मधेसी समुदाय का अपने सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों से रोटी और बेटी का रिश्ता है। वे लोग पहाड़ी मूल के लोगों की बजाय सीमावर्ती भारतीय इलाकों के लोगों की तरह दिखते, रहते, खाते-पीते और बोलते हैं। इनमें अवधी, भोजपुरी, थारू, बज्जिका, अंगिका, मैथिली, सत्तार, मगही, राजवंशी और मैथिलीभाषी शामिल हैं। नेपाल की राष्ट्रीय मुक्ति पार्टी के नेता रह चुके रमन पांडेय इन दिनों हिंदी के लिए स्वतंत्र रूप से अभियान चला रहे हैं। उनका तर्क है कि मैथिली की पढ़ाई से उन्हें एतराज नहीं है। लेकिन इससे मधेस समुदाय की आपसी एकता में दरार पड़ेगी। उनका कहना है कि नेपाल का पहाड़ी शासक समुदाय चाहता है कि मधेस समाज की एकता नाशित हो। यह उसके हित में है, क्योंकि मधेस जनसंख्या अगर बंटी होगी तो पहाड़ी

मूल के लोगचुनावों में जीतते रहेंगे और कम संख्या के बावजूद वे देश पर शासन करते रहेंगे। नेपाल में 133 भाषाएं बोली जाती हैं। लेकिन यहाँ मोटे तौर पर नेपाली और अंग्रेजी माध्यम से ही पढ़ाई होती है। नेपाल में हिंदी की पढ़ाई की मांग करने वाले वर्ग का तर्क है कि अगर हिंदी को शासकीय मान्यता मिलती है और उसकी पढ़ाई होती है तो वह नेपाल की सभी 133 भाषाओं के आपसी संपर्क का सबसे बड़ा जरिया होगी। यह यांग कुछ वैसे ही है, जैसे भारत में आपसी संपर्क भाषा के लिए हिंदी को अपनाने का विचार केशवचंद्र सेन, गुजराती कवि नर्मदा शंकर उपाध्याय, लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी और बिनोबा भावे सदृश हस्तियों ने दिया था। बिनोबा और पुरुषोत्तम दास टंडन ने तो देवनागरी लिपि को दूसरी भाषाओं द्वारा अपनाए जाने और उसके विस्तार की जोरदार पैरवी की थी। रमन पांडेय जैसे लोग भी नेपाल में हिंदी को कुछ उसी तरह आगे लाने की मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि अगर हिंदी को मान्यता मिली तो नेपाल की स्थानीय भाषाओं के बीच मजबूत कड़ी बनकर उभरेगी। वैसे भी मधेस

राम मंदिर दान लूट : कुतर्कों की इंतेहा ?

राजनीति का ऐसा लेप चढ़ाने की कोशिश कर रहा है जिससे विषय की गंभीरता को कम किया जा सके और भक्तों का ध्यान दूसरी तरफ भटकया जा सके। उदाहरणार्थ राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे की कथित चोरी के मामले पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर सनातन धर्म, राम भक्तों की आस्था और अयोध्या की छवि को वैश्विक स्तर पर बदनाम करने का गंभीर आरोप लगाया है। योगी ने कहा कि विपक्ष एक छोटी सी घटना को बड़ा-चढ़ाकर पेश कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि ?कोग्रेस और समाजवादी पार्टी ने भारत की आस्था, अयोध्या की विरासत और प्रभु राम के नाम पर हमला करने का जैसे ठेका ले रखा है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने कभी भगवान राम के अस्तित्व को ही नकार दिया था, वे आज मंदिर के चंदे के नाम पर मचल रहे हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्होंने राम भक्तों पर गोलियां चलवाई थीं, वे आज राम मंदिर की पवित्रता पर सवाल उठा रहे हैं ? मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोगों की गलती की वजह से पूरे ट्रस्ट या अयोध्या को कटघरे में खड़ा करना गलत है।

उधर स्वयं को हिंदू रक्षा दल का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताने वाला गजियाबाद का एक व्यक्ति जिसने एक सार्वजनिक लंगर के दौरान एक मुस्लिम व्यक्ति हाथों से प्रसाद की थाली यह कहकर छीन ली थी कि यह लंगर मुस्लिमों के लिये नहीं। इसी व्यक्ति ने अब राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे की चोरी के मामले पर बेहद विवादित राम एज्रीबोगरीब बयान दिया है। उस ने इस मामले में आरोपियों का एक तरह से बचाव करते हुए कहा कि मंदिर हमारा है, चंदा हमारा है और अगर हमारे ही लोगों अर्थात हिंदुओं ने पैसा ले भी लिया है, तो विपक्ष या दूसरों को इससे क्या परेशानी है ? दूसरों को क्यों मिर्ची लग रही है ? इस ने तर्क दिया कि राम

मंदिर में चंदा या दान देने वाले लोग भी भगवान राम में अटूट विश्वास रखते हैं और जिन लोगों ने यह पैसा निकाला है, वे भी भगवान राम के ही दान हैं। उसने कहा कि भगवान राम के आशीर्वाद से ही दान का कुछ पैसा उन आरोपियों के घरों तक पहुंचा है, इसलिए इस पर किसी को भी सवाल उठाने का कोई अधिकार नहीं है, हिंदुओं का पैसा तो हिंदुओं के पास ही रहा ? उस ने उल्टे विरोधियों से ही सवाल पूछा कि तुमने राम मंदिर में कितना चंदा दिया है ? उसके अनुसार जिन्होंने मंदिर में एक रुपया भी दान नहीं दिया, उन्हें इस मुद्दे पर बोलने या सवाल उठाने का कोई हक नहीं है। चंदा लूट व चोरी को जायज ठहराने वाली और भी कई बातें इस नफरती शस्त्र ने कीं।

इसी तरह अयोध्या के ही तपस्वी छावनी के पीठाधीश जगतगुरु परमहंस आचार्य ने इस मामले में आरोपियों की सजा को लेकर एक जातिगत और पक्षपातपूर्ण व विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्य आरोपी टिन्नु यादव को तो फांसी की सजा होनी चाहिए। जबकि मामले में शामिल अन्य कथित उच्च जाति के अन्य आरोपियों अनुकल्प मिश्रा,अविनाश शुक्ला,लवकुश मिश्रा व करुणेश पांडे का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि बाकी सबको छह-छह महीने की सजा देकर छोड़ देना चाहिए। उनके इस जातिगत दुर्भावना पूर्ण बयान की भारी आलोचना हुई कि वे आस्था की सच बड़ी लूट में शामिल विशेष जाति के आरोपियों को केवल छह महीने की मामूली सजा देकर रफा दफा करना चाहते हैं इसी तरह सोशल मीडिया पर भी भारतीय जनता पार्टी और दक्षिणपंथी विचारधारा से जुड़े कुछ कट्टरपंथियों और समर्थकों द्वारा इस विमर्श को बढ़ावा दिया जा रहा है कि हम(हिन्दू) आपस में निपट लेंगे। विपक्ष के अनुसार भाजपा के गुर्गें मैदान में उतर आए हैं, जो कह रहे हैं कि यह भाजपा, आरएसएस और राम भक्तों का निजी मामला है, उन्होंने

समुदाय जब दूसरे भाषा-भाषी से बात करता है तो वह हिंदी का ही सहारा लेता है। इससे नेपाली एकता की भावना को तो मजबूती मिलेगी ही, भारतीय सीमा पार रिश्तों को निभाने में नेपाली लोगों मदद मिलेगी। हिंदी समर्थकों का यह भी तर्क है कि मधेस समुदाय की आपसी एकता को भी हिंदी के ही जरिए मजबूती मिल सकेगी। मधेस आबादी नेपाल के बाइस जिलों में फैली हुई है। रमन पांडेय जैसे लोगों का तर्क है कि बाइस जिलों के लोगों को एक माला में जोड़ने में हिंदी ही कामयाब हो सकती है। रमन पांडेय का कहना है कि नेपाली भाषा बेहद छोटे समुदाय खस आर्य की भाषा है। जिनकी संख्या एक करोड़ भी नहीं है। लेकिन वह पूरे देश की एक मात्र भाषा बनी हुई है।

इसमें दो राय नहीं कि नेपाल के तराई यानी मधेस और भारत से सटे इलाकों में हिंदी का प्रभाव गहरा और व्यापक है। नेपाल और भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत साझा है। नेपालमें भी हिंदी का ज्ञानक स्तर पर प्रयोग होता है। इतना ही नहीं, मधेस समुदाय के आपसी संपर्क का भी जरिया हिंदी ही है। हिंदी पहाड़ी यानी खस समुदाय के लिए भी मधेस समुदाय से जुड़ने का जरिया है। अगर हिंदी को मान्यता मिलती है तो संपर्क भाषा हिंदी को नई ताकत मिलेगी। हिंदी नेपाली समुदायों को तो आपस में जोड़ेगी ही, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक साझा विरासत की बुनियाद पर नेपाल और भारत के रिश्तों को भी नई गति मिलेगी। ऐसा नहीं कि नेपाल में हिंदी के विरोधी नहीं है। लिपुलेख और कालापानी विवाद के वक्त तो तत्कालीन नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने नेपाल में हिंदी पर पाबंदी लगाने तक की बात कर डाली थी। यह बात और है कि इसका विरोध उनकी पार्टी में ही हुआ था। हिंदी के मशहूर पत्रकार बनारसीदास चतुर्वेदी ने हिंदी में जनपदीय आंदोलन चलाया था। नेपाल के हिंदी समर्थकों को इसे भी ध्यान में रखना होगा। बनारसी दास चतुर्वेदी जनपदीय भाषाओं को बढ़ावा देने के जरिए भाषायी लोकतंत्र की वकालत कर रहे थे। उन्हें पता था कि जनपदीय भाषाओं के आपसी संपर्क और संवाद के लिए हिंदी ही सहयोगी होगी। इसलिए वे जनपदीय भाषाओं के विस्तार के जरिए हिंदी को बढ़ावा दे रहे थे। नेपाल के हिंदी समर्थकों को भी आपसी भाषाओं के बीच कुछ उसी तरह सीोहार्द को बढ़ावा देते हुए हिंदी के विकास की बात करनी होगी। इसी बहाने नेपाल में वे हिंदी को प्रतिष्ठापित करने में सफल हो सकेंगे।



ही चंदा दिया है, उन्होंने ही लिया है और वे आपस में निपट लेंगे। इसमें किसी तीसरे या गैर-हिंदू को बोलने की जरूरत नहीं है। ऐसे लोगों का तर्क है कि चंदा चोरी पर सबसे ज्यादा विपक्ष और गैर-हिंदू नेता छाती पीट रहे हैं। कुछ लोग तो यह कुतर्क भी दे रहे हैं कि यदि एक हिंदू भाई के पैसे का सुख दूसरा हिंदू भाई ले रहा है, तो इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। इस नैरेटिव की चोतरफा आलोचना हो रही है और मंदिर चंदा लूट को आपसी मामला बताने वाले इन बयानों की केवल विपक्ष ही नहीं बल्कि समाज के हर वर्ग द्वारा तीखी निंदा की जा रही है। आलोचकों और आम श्रद्धालुओं का कहना है कि भगवान के घर में चोरी महफाप है। चोर का कोई धर्म या जाति नहीं होती। परन्तु राम मंदिर दान लूट के विषय में उपरोक्त दलीलें सुनकर तो यही लगता है गोया इस शर्मनाक घटना में भी कुतर्कों की इंतेहा कर दी गयी है।

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

परमाणु संयंत्र का डाटा लीक हो गया, क्या ऐसी साइबर सुरक्षा के भरोसे आगे बढ़ेगा डिजिटल इंडिया?



देश की सबसे बड़ी परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं में शामिल तमिलनाडु स्थित कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र से जुड़े हजारों गोपनीय दस्तावेज कथित रूप से सार्वजनिक होने के बाद भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। हम आपको बता दें कि नैसममेवयर गिरोह हबलर्ड लीक्सर ने दावा किया है कि उसने संयंत्र से संबंधित 19 हजार से अधिक संवेदनशील फाइलें डार्क वेब पर जारी कर दी हैं। इन दस्तावेजों को लगभग 8 लाख 58 हजार फाइलों के उस बड़े संग्रह का हिस्सा बताया जा रहा है, जिसे परियोजना से जुड़े ठेकेदार रिलायंस समूह के डाटा से चुराया गया है। हालांकि इन दस्तावेजों की प्रामाणिकता की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, फिर भी विशेषज्ञ इसे राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत गंभीर मामला मान रहे हैं। इस बीच, रिलायंस समूह ने मीडिया को बताया कि तीसरे पक्ष के भारतीय डाटा सेंटर प्रदाता योद्धा के सर्वर पर रखे गए उसके डाटा में आंशिक संधमारी हुई है। कंपनी के अनुसार सरकार को इस घटना की जानकारी दे दी गई है, लेकिन किस प्रकार का डाटा प्रभावित हुआ, इसका खुलासा नहीं किया गया। दूसरी ओर योद्धा ने कहा कि उसने 29 मई को सर्वर पर सॉफ्टवेयर गतिविधियों का पता लगा लिया था और सॉफ्टवेयर नैसममेवयर को सक्रिय होने से रोक दिया गया था। बाद में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर ने संभावित डाटा लीक के दावे की जानकारी दी।

हम आपको बता दें कि कथित रूप से लीक हुए दस्तावेज वर्ष 2016 से लेकर वर्ष 2025 के मध्य तक के बताए जा रहे हैं। इनमें वॉट्सऐप और शीतलन प्रणालियों के इंजीनियरिंग नक्शे, साझा निबंधन कक्ष की रूपरेखा, उपकरणों के निरीक्षण प्रतिवेदन, आपूर्तिकर्ताओं की सूची, विक्रेताओं के प्रस्ताव, बैठकों के अभिलेख तथा बीमा संबंधी दस्तावेज शामिल बताए गए हैं। अधिकांश दस्तावेज

अप्रत्यक्ष खतरा उत्पन्न हो सकता है। इस पूरे मामले की जांच भारतीय कंप्यूटर आपात प्रतिक्रिया दल और भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम संयुक्त रूप से कर रहे हैं। अभी तक इस बात का कोई प्रमाण सामने नहीं आया है कि संयंत्र की परिचालन प्रणाली या परमाणु रिएक्टर की सुरक्षा से सीधे समझौता हुआ है। परमाणु ऊर्जा विभाग और प्रधामंत्री कार्यालय ने इस मामले पर सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। उल्लेखनीय है कि संबंधित हैकर गिरोह पहले भी कई प्रमुख औद्योगिक संस्थाओं को निशाना बना चुका है। देखा जाये तो यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब भारत की महत्वपूर्ण अवसंरचना पर साइबर हमलों का खतरा लगातार बढ़ रहा है। एक साइबर सुरक्षा कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार पिछले वर्ष भारत में लगभग दो करोड़ नवासी लाख खाते किसी न किसी रूप में डाटा समझौते का शिकार

हुए, जिससे भारत विश्व के सर्वाधिक प्रभावित देशों में शामिल रहा। वहीं हाल के एक औद्योगिक सर्वेक्षण में पाया गया कि 73 प्रतिशत भारतीय संस्थानों को यह तक जानकारी नहीं थी कि वे कभी साइबर हमले का शिकार हुए या नहीं, जबकि 57 प्रतिशत संस्थाओं में बुनियादी साइबर उपायों का भी अभाव है। देखा जाये तो कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा परियोजना केवल बिजली उत्पादन का केंद्र नहीं है, बल्कि भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा, परमाणु क्षमता और सामरिक आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण आधार भी है। इस परियोजना पर किसी भी प्रकार का साइबर हमला या गोपनीय सूचनाओं का लीक होना सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय है। आधुनिक युद्ध में साइबर क्षेत्र को भूमि, जल, वायु और अंतरिक्ष के समान ही महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ऐसे में महत्वपूर्ण अवसंरचना से संबंधित सूचनाओं का दुरुपयोग कर शत्रु देश या संगठित साइबर अपराधी बिना प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई के भी रणनीतिक दबाव बना सकते हैं।

बहरहाल, इस घटना ने यह भी स्पष्ट किया है कि केवल परमाणु संयंत्र की आंतरिक सुरक्षा पर्याप्त नहीं है, बल्कि उससे जुड़े ठेकेदारों, डाटा सेंटरों, आपूर्ति श्रृंखला और तीसरे पक्ष की डिजिटल प्रणालियों की सुरक्षा भी समान रूप से आवश्यक है। भविष्य में राष्ट्रीय सुरक्षा को परियोजनाओं के लिए मजबूत साइबर सुरक्षा ढांचा, नियमित सुरक्षा परीक्षण, आपूर्ति श्रृंखला का कड़ा सत्यापन तथा संवेदनशील सूचनाओं की बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था विकसित करना अनिवार्य होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत को अपनी महत्वपूर्ण अवसंरचना की साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय रक्षा रणनीति का अभिन्न हिस्सा बनाते हुए इस क्षेत्र में निवेश और समन्वय दोनों को और मजबूत करना होगा, ताकि ऐसी घटनाओं से सामरिक हितों और राष्ट्रीय सुरक्षा की प्रभावी रक्षा सुनिश्चित की जा सके।

स्वदेश प्रेम

सूचना
विज्ञापनों में किए गए किसी भी दावे का 'स्वदेश प्रेम' दैनिक समाचार पत्र समर्थन नहीं करता है। पाठक स्वयं जांच-परख अवश्य करें।

यदि आप किसी विषय में रुचि रखते हैं और लिखने के इच्छुक हैं, तो आप अपनी रुचि से संबंधित आलेख हमें भेज सकते हैं। यदि आपका आलेख 'स्वदेश प्रेम' में प्रकाशन योग्य हुआ, तो उसे जरूर प्रकाशित किया जाएगा।
कृपया सूचनात्मक, सकारात्मक एवं तथ्यात्मक आलेख ही भेजें।

Svadeshprem0@gmail.com | www.svadeshprem.com

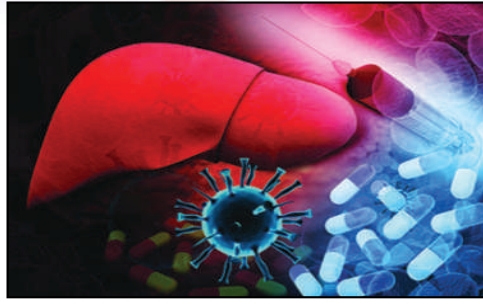
प्रिय पाठकों,
यदि आप 'दैनिक स्वदेश प्रेम' में अपना जन्मदिन संदेश प्रकाशित करवाना चाहते हैं, तो अपना फोटो, उम्र व नाम हमें हमारी ईमेल पर या हमारे व्हाट्सएप नंबर पर भेजें।
Svadeshprem@gmail.com | www.svadeshprem.com

व्हाट्सएप/फोन पर संपर्क के लिए
संपर्क सूत्र (Landline): +91 11-47012271
मोबाइल (Mobile): 9810993893
Email: Svadeshprem0@gmail.com
Web: www.svadeshprem.com

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक शान मोहम्मद द्वारा 'स्वदेश प्रेम' समाचार पत्र के लिए प्रकाशित एवं मुद्रित।



जानलेवा है हेपेटाइटिस



ऐसे करें हेपेटाइटिस से बचाव

बीमारी के लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर के पास जाएं क्योंकि इस बीमारी में लापरवाही घातक साबित हो सकती है। हेपेटाइटिस, मौसम के दौरान अधिक फैलता है, इसलिए इस मौसम में तैलीय, मसालेदार, मांसाहारी और भारी खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें। पॉलिश किए हुए सफेद चावल, डिब्बाबंद खाद्य पदार्थ, केक, पेस्ट्री, चॉकलेट्स, ऐल्कोहॉल से दूरी बनानी चाहिए। शाकाहारी आहार, ब्राउन राइस, हरी पत्तेदार सब्जियां, विटमिन सी युक्त खट्टे फल, पपीता, नारियल पानी, सूखे खजूर, किशमिश, बादाम और इलायची का भरपूर सेवन करें।

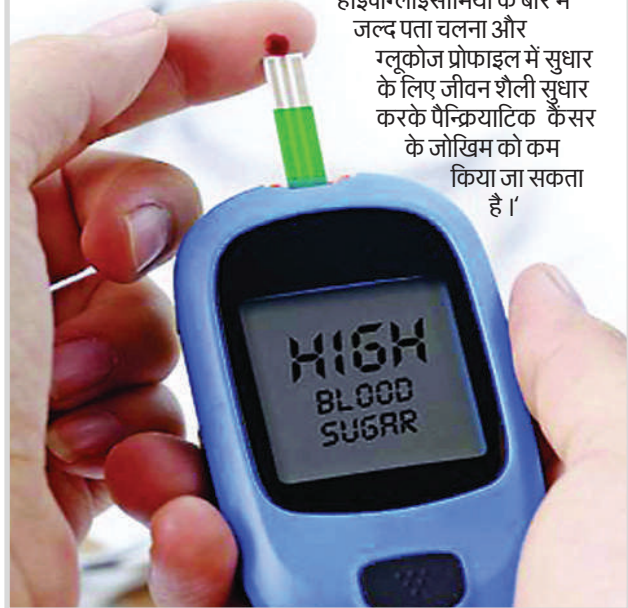
रक्त संक्रमण, असुरक्षित यौन संबंध, असुरक्षित सुइयों का इस्तेमाल भी बीमारी के फैलने का कारण है। हेपेटाइटिस बी का वायरस खून, सीमन और शरीर के अन्य तरल पदार्थों के जरिए संक्रमित व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में पहुंचता है।

हेपेटाइटिस के लक्षण

त्वचा या आंखों के सफेद हिस्से का पीला पड़ जाना
भूख न लगना
उल्टी आना
बुखार और थकान जो कई सप्ताह या महीनों तक बना रहे

हाई ब्लड शुगर के कारण बढ़ सकता है पैन्क्रियाटिक कैंसर का खतरा

हाल ही में हुए एक स्टडी के अनुसार हाई ब्लड शुगर के कारण पैन्क्रियाटिक कैंसर का खतरा बढ़ सकता है। स्टडी के अनुसार, हाई ब्लड शुगर पैन्क्रियाज में हेल्दी सेल्स के काम को रोक देता है और सेल काउंट बहुत तेजी से बढ़ने लगता है। यह स्टडी कोरिया में हुई है और इसका निष्कर्ष 'जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबोलिज्म' में प्रकाशित हुआ है। स्टडी में बताया गया है कि पैन्क्रियाटिक कैंसर से ग्रसित और पांच साल तक जिंदा रहने वाले लोगों की संख्या सिर्फ 9 प्रतिशत है। इसका मुख्य कारण पैन्क्रियाटिक कैंसर का इलाज बहुत मुश्किल है और अक्सर लास्ट के स्टेज तक इसके बारे में पता नहीं चल पाता है। जब तक इसके बारे में जानकारी होती है, यह कैंसर पैन्क्रियाज से शरीर के बाकी हिस्सों में फैल जाता है। स्टडी से जुड़े लेखक चेओल-यंग पार्क ने बताया, 'पैन्क्रियाटिक कैंसर के मेजर रिस्क फैक्टर में से एक है हाई ब्लड शुगर। उन्होंने कहा, 'जब हमने नेशनल कोहोर्ट डेटाबेस का उपयोग करते हुए फास्टिंग ग्लूकोज के स्तर के अनुसार पैन्क्रियाटिक कैंसर की घटनाओं का मूल्यांकन किया, तो हमने पाया कि पैन्क्रियाटिक कैंसर के मामलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है क्योंकि ग्लूकोज का स्तर बढ़ गया था। यह दोनों तरह के लोगों में था, जिन्हें डायबीटीज की समस्या थी और जिन्हें डायबीटीज नहीं था। इस स्टडी में शोधकर्ताओं ने 25 मिलियन से अधिक मरीजों के नेशनल कोहोर्ट डेटाबेस का उपयोग करके ब्लड शुगर लेवल के अनुसार कोरिया में पैन्क्रियाटिक कैंसर की घटनाओं का मूल्यांकन किया। उन्होंने पाया कि जैसे-जैसे ब्लड शुगर लेवल बढ़ता है, पैन्क्रियाटिक कैंसर का रेट डायबेटिक से साथ-साथ वैसे लोगों में भी बढ़ा था, जिनका डायबीटीज टीक हो चुका था और जिनका ब्लड शुगर लेवल सामान्य था। पार्क ने कहा, 'हमारे शोध के अनुसार, हेल्थ चेकअप से हाइपोग्लाइसीमिया के बारे में जल्द पता चलना और ग्लूकोज प्रोफाइल में सुधार के लिए जीवन शैली सुधार करके पैन्क्रियाटिक कैंसर के जोखिम को कम किया जा सकता है।'



कब्ज, ऐसिडिटी दूर करती है सौंफ

आज के समय में ज्यादातर लोगों में ब्लड प्रेशर की समस्या होना आम बात हो गई है। आजकल के खानपान के चलते ये बीमारी किसी भी आयु के व्यक्ति हो सकती है। ब्लड प्रेशर का बढ़ना और कम होना घातक होता है। ब्लड प्रेशर से सीधा हार्ट अटैक की समस्या हो जाती है। अगर आप भी इन बीमारी से बचना चाहते हैं तो आप सिर्फ सौंफ का सेवन करें।

आज हम आपको सौंफ के होने वाले कई फायदे बताने जा रहे हैं जिनके बारे में आपको शायद ही पता होगा। सौंफ खाने से स्वास्थ्य संबंधी अन्य कई समस्याएं भी दूर हो जाती हैं, आइए जानते हैं।

कंट्रोल में रहता है बीपी

सौंफ के पानी में पोटैशियम की मात्रा भी भरपूर होती है, जिसे पीने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

वजन घटाती है सौंफ

सौंफ में आपके दैनिक जरूरत का 17 फीसदी विटमिन सी, 7 फीसदी कैल्शियम, 6 फीसदी

आयरन, 6 फीसदी मैग्नीशियम, 3 फीसदी पोटैशियम और 19 फीसदी मैंगनीज होता है। इसमें कैल्सी की मात्रा बहुत कम होती है। इसके अलावा सौंफ में ऐसे ऐंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो शरीर के मेटाबोलिज्म की प्रक्रिया को तेज करते हैं। इससे आपके शरीर में जमा हुई अतिरिक्त चर्बी तेजी से घटती है। सौंफ पेट की सभी समस्याओं में फायदेमंद होती है। सौंफ का पानी पीने से और सौंफ खाने से कब्ज, ऐसिडिटी और अपच की समस्या से छुटकारा मिल जाएगा। सौंफ पाचन की क्रिया को तेज करती है।

शरीर में खून भी बढ़ेगा

सौंफ में आयरन की मात्रा अच्छी खासी होती है। यही कारण है कि सौंफ के पानी का नियमित सेवन करने से शरीर में हीमोग्लोबिन बढ़ता है। अनीमिया (खून की कमी) के रोगियों के लिए सौंफ खाना और इसका पानी पीना फायदेमंद हो सकता है।

खून भी होता है साफ

सौंफ में शरीर को डिटॉक्स करने का गुण प्राकृतिक रूप से होता है। यही कारण है कि सौंफ का पानी पीने और सूखी सौंफ खाने से खून में मौजूद गंदगी बाहर निकल जाती है। इससे खून साफ होता है और त्वचा पर निखार आता है।



हार्ट और हड्डियों के लिए भी खतरनाक है बर्गर

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में जंक फूड कब हमारे रूटीन में शामिल हो जाते हैं, पता भी नहीं चलता है। आजकल बर्गर हर किसी के फेवरिट फूड्स में से शामिल है। काम के बीच में अगर आपको भूख लगी है तो आपकी मदद के लिए बर्गर तुरंत आ जाता है। ज्यादातर लोग बर्गर खाने के खतरों से अनजान हैं। बर्गर आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है भले ही आप इसे कभी-कभी ही क्यों ना खाते हों। दरअसल बर्गर में कई ऐसे तत्व होते हैं जो रोगों से लड़ने की क्षमता को कमजोर करते हैं। फास्ट फूड में आम तौर पर अत्यधिक संतृप्त और ट्रांस फैटी एसिड होते हैं जो रोगों से लड़ने की क्षमता को प्रभावित करते हैं।

हाई बीपी और हृदय रोग का खतरा पर्याप्त फल खाने से ऐसी बीमारियों से बचा जा सकता है। यह ऐसा भोजन, जो संतृप्त वसा से भरा हुआ है, आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इस वसायुक्त भोजन को लगातार करने से धमनियां काफी बिगड़ जाती हैं। इससे ब्लड फ्लो में बाधा उत्पन्न होती है। ब्लड फ्लो के इस प्रतिबंध से भविष्य में हृदय रोगों की संभावना बढ़ जाती है। बर्गर जैसे फास्ट फूड से बच्चों में अस्थमा, एरिजमा, खुजली और आंखों से पानी आना जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ता है। खाने में पोषक तत्वों की कमी ऐलर्जी संबंधी बीमारियों

को पनपने का मौका देती है।

बीमारियों का भंडार है बर्गर

बर्गर कैलरी, वसा और अतिरिक्त सोडियम से भरे होते हैं। ये सभी आपके स्वास्थ्य पर बुरा असर डालते हैं। एक बर्गर में 500 कैलरी, 25 ग्राम वसा, 40 ग्राम कार्ब्स, 10 ग्राम चीनी और 1,000 मिलीग्राम सोडियम होता है, जो आपको बीमार करने के लिए पर्याप्त है।

डायबीटीज

बर्गर की पहली बाइट खाने के 15 मिनट बाद आपके शरीर में ग्लूकोज की भारी वृद्धि हो जाती है। यह इंसुलिन रिलीज करने को बढ़ावा देता है, जिससे आपको कुछ घंटों में फिर से भूख लगती है। इस पैटर्न को दोहराने से मधुमेह का खतरा बढ़ सकता है। एक बार में अत्यधिक कैलरी लेने से शरीर की कोशिकाओं पर ऑक्सिडेटिव तनाव पड़ता है।

विटमिन डी की कमी

बर्गर के चलते फैट की अधिकता और विटामिन-डी और कैल्शियम की कमी हड्डियों को कमजोर कर देती है। हड्डियां टेढ़ी होने लगती हैं। बर्गर में मौजूद फैट, नमक या शुगर के चलते पेट तो भर जाता है लेकिन शरीर के लिए जरूरी प्रोटीन, विटमिन, कैल्शियम या मिनरल नहीं मिल पाते।

